मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 29 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 15 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 315 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ किराए की कोख की दुकानों पर अंकुश

कुणाल के बयान पर अभिनेत्री मन्नारा बोली ◂◂ 6

ऑपरेशन डोरा पहाड़ में झारखंड पुलिस की बड़ी कामयाबी

2.20 करोड़ का इनामी शीर्ष माओवादी नेता मिथिर बेसरा गिरफ्तार

- धनबाद के जंगलों में संयुक्त अभियान के दौरान तीन माओवादी दबोचे गए
- एके-47 राइफलें और 288 कारतूस बरामद

संवाददाता

रांची : झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। धनबाद जिले के टुंडी-बड़वाडा थाना क्षेत्र के जंगलों में चलाए गए संयुक्त अभियान ह्यऑपरेशन डोरा पहाड़ह्ण के दौरान भाकपा (माओवादी) के शीर्ष पोलित ब्यूरो सदस्य मिथिर बेसरा उर्फ सागर उर्फ भास्कर उर्फ सुनील को गिरफ्तार कर लिया गया। उस पर झारखंड सरकार ने एक करोड़ रुपये तथा छत्तीसगढ़ सरकार ने 1.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। इस तरह उस पर कुल 2 करोड़ 20 लाख रुपये का इनाम था।

पुलिस ने उसके साथ संगठन के दो अन्य सक्रिय माओवादी नेताओं को भी गिरफ्तार किया है। इनमें मेहता उर्फ मंझू उर्फ विभीषण, जो क्षेत्रीय समिति सदस्य (आरसीएम) है और जिस पर 15 लाख रुपये का इनाम था, तथा गौरव उर्फ बिरेंद्र हांसदा उर्फ सौरभ, जो क्षेत्रीय कमेटी सदस्य (एसीएम) है, शामिल हैं।

लगातार अभियान का मिला बड़ा परिणाम : पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की ओर से उग्रवाद के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे संयुक्त अभियानों का यह महत्वपूर्ण परिणाम है। राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, 21 मई 2026 को कुल 27 नक्सली कमांडरों और दस्ता सदस्यों ने आत्मसमर्पण किया था। इस दौरान उन्होंने 18 हथियार और 2,987 गोलियां भी सुरक्षा बलों को सौंपी थीं।

इसके बाद 13 जुलाई 2026 को क्षेत्रीय समिति सदस्य (आरसीएम) रविंद्र गुड़िया, जिस पर 20 लाख रुपये का इनाम था, गिरफ्तार किया गया। वहीं 17 जुलाई 2026 को विशेष क्षेत्रीय समिति सदस्य (एसएसी) अजय महतो उर्फ टाइगर, जिस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था, पुलिस के हत्थे चढ़ा। इसी अवधि में महिला माओवादी कमांडर अनिता उर्फ नीता (क्षेत्रीय कमेटी सदस्य) के खिलाफ भी पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की।

इसके अलावा 28 जुलाई 2026 को पुलिस मुख्यालय में 16 नक्सली कमांडरों और दस्ता सदस्यों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें एक क्षेत्रीय समिति सदस्य, तीन जोनल कमेटी सदस्य, तीन उप-जोनल कमेटी सदस्य, छह क्षेत्रीय कमेटी सदस्य तथा तीन दस्ता सदस्य शामिल थे। इन लोगों ने 11 हथियार और 1,562 गोलियां पुलिस को सौंपीं।

धनबाद के जंगलों में चला संयुक्त अभियान : पुलिस के मुताबिक, सीआरपीएफ की 209 कोबरा बटालियन और झारखंड पुलिस ने धनबाद जिले के बड़वाडा थाना क्षेत्र के जंगलों में संयुक्त अभियान चलाया। इसी अभियान के दौरान मिथिर बेसरा और उसके दोनों सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया।

भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद : गिरफ्तार माओवादियों के कब्जे से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। इनमें शामिल हैं–

एके-47 राइफल - 3
मैगजीन - 8
जिंदा कारतूस - 288

माओवादी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार : पुलिस मुख्यालय का कहना है कि शीर्ष माओवादी नेताओं की लगातार गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण के कारण झारखंड में भाकपा (माओवादी) का नेटवर्क तेजी से कमजोर हुआ है और अब लगभग समाप्ति की स्थिति में पहुंच गया है। पुलिस ने शेष सक्रिय माओवादियों से भी हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने तथा राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाने की अपील की है।

जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन एल ख्यांग्ते से सीआईडी दफ्तर में दूसरे दिन भी पूछताछ जारी

संवाददाता

रांचीः झारखंड की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर सीआईडी की कार्रवाई लगातार जारी है। 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा से जुड़े मामले में सीआईडी के समन पर झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते लगातार दूसरे दिन भी सीआईडी कार्यालय पहुंचे। जहां उनसे दूसरे दिन भी पूछताछ की जा रही है। मंगलवार को एल ख्यांग्ते से आठ घंटे से ज्यादा पूछताछ हुई थी।

सीआईडी परीक्षा संचालन, टेंडर आवंटन और कथित गड़बड़ियों से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर एल ख्यांग्ते से दूसरे दिन भी पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी का फोकस इस बात पर है कि टीडीपीएल को परीक्षा संचालन का जिम्मा किन परिस्थितियों में दिया गया। सीआईडी यह भी जानना चाहती है कि यदि एजेंसी के ब्लैकलिस्ट होने की बात सामने आई थी तो उसे जेपीएससी जैसी संवैधानिक चयन संस्था की परीक्षा का टेंडर कैसे मिला। इसके अलावा परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी, ओएमआर शीट में कथित हेराफेरी रोकने के लिए उठाए गए कदम और शिकायतों पर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर पूर्व अध्यक्ष से जवाब मांगा जा रहा है।

पूरे मामले में जांच के दायरे में परीक्षा संचालन एजेंसी टीडीपीएल का कार्यालय भी है। जहां से परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। वहीं जेपीएससी कार्यालय से भर्ती परीक्षाओं से संबंधित दस्तावेज, ओएमआर शीट और डिजिटल साक्ष्य भी सीआईडी ने अपने कब्जे में लिए हैं।

इस पूरे मामले में सीआईडी अब तक उप परीक्षा नियंत्रक समेत 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें से पांच आरोपियों से रिमांड पर पूछताछ जारी है। जांच एजेंसी का कहना है कि जुटाए गए दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल आज यानी बुधवार को हो रही दोबारा पूछताछ पर सभी की नजरें टिकी हैं।

हजारीबाग में ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूट की तैयारी तेज, हाई कोर्ट में सरकार ने पेश की प्रगति रिपोर्ट

रांचीः झारखंड हाई कोर्ट में ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूट (ओसीआई) की स्थापना से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट में क्वार्टरली स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर परियोजना की प्रगति से अवगत कराया। सरकार की ओर से दायर मुख्य सचिव के हलफनामे में बताया गया कि हजारीबाग में ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिए 32 एकड़ सरकारी भूमि चिन्हित कर ली गई है और परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सरकार ने हाई कोर्ट को बताया कि परियोजना की निगरानी के लिए एक हाई पावर कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी की जिम्मेदारी वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वंदना डांडेले को सौंपी गई है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप महिला बंदियों के लिए विशेष प्रावधानों को शामिल करते हुए प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भेज दिया गया है।

राज्य सरकार ने हलफनामे में यह भी जानकारी दी कि जब तक हजारीबाग में ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूट पूरी तरह तैयार नहीं हो जाता, तब तक अंतरिम व्यवस्था लागू करने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत राज्य की चार केंद्रीय जेलों से रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसे सभी जेलों ने सरकार को उपलब्ध करा दिया है। इन रिपोर्टों के आधार पर अस्थायी रूप से ओपन करेक्शनल सिस्टम लागू करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता विभोर मयंक ने पक्ष रखा। मामले पर सुनवाई के बाद झारखंड हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई की तिथि 10 सितंबर निर्धारित की है। अब अदालत सरकार द्वारा प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट और आगामी कार्रवाई की समीक्षा करेगी।

नीट यूजी पेपर लीक मामला - सीबीआई की चार्जशीट कोर्ट में पेश, अगली सुनवाई 3 अगस्त को

नई दिल्ली(एजेंसी) : नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि इस मामले में दाखिल की गई चार्जशीट करीब 20,000 पेज की है। कोर्ट ने चार्जशीट को रिकॉर्ड पर ले लिया है लेकिन उससे जुड़े एनेक्स्चर (संलग्न दस्तावेज) दाखिल करने के लिए सीबीआई को अतिरिक्त समय दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने नोट किया कि चार्जशीट के साथ दस्तावेजों, गवाहों के बयानों और जब्त की गई वस्तुओं की सूची संलग्न की गई है। हालांकि, कोर्ट ने सीबीआई से पूछा कि चार्जशीट में जिन बयानों और अन्य दस्तावेजों का हवाला दिया गया है, वे रिकॉर्ड पर कहां हैं। इस पर सीबीआई ने अदालत को बताया कि चार्जशीट से जुड़े करीब 20,000 पेज के एनेक्स्चर दस्तावेज अभी स्कैन किए जा रहे हैं। इसी कारण उन्हें दाखिल करने के लिए कुछ और समय की जरूरत है। अदालत ने सीबीआई की इस मांग को स्वीकार करते हुए दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय दे दिया। अब इस बहुचर्चित मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। उम्मीद है कि तब तक सीबीआई चार्जशीट के सभी एनेक्स्चर भी अदालत के समक्ष पेश कर देगी। इसी बीच, इस मामले में अभियोजन पक्ष को और मजबूत करने के लिए सीबीआई ने महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी की हैं। एडवोकेट वीके पाठक और एडवोकेट अर्जुन आनंद को नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की ओर से राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट में 'लोक अभियोजक' नियुक्त किया गया है। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामला देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले की जांच सीबीआई कर रही है और अदालत में दाखिल की गई 20 हजार पेज की चार्जशीट को इस जांच का एक अहम चरण माना जा रहा है। अब सभी की नजर 3 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी है।

रामगढ़ में चाकू मारकर युवक की बेरहमी से हत्या, 28 से था लापता

संवाददाता

रामगढ़: जिले के न्यू बगिया स्थित दामोदर नदी रोड पर बुधवार सुबह एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान झंडा चौक कुम्हार टोली निवासी सुमित अग्रवाल के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में मामला धारदार हथियार, संभवतः चाकू से हमला कर हत्या की गई प्रतीत हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

जानकारी के अनुसार सुमित अग्रवाल मंगलवार शाम करीब 7 बजे से लापता था। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद मिलने के कारण कोई सुराग नहीं मिल सका। बुधवार सुबह न्यू बगिया-दामोदर नदी रोड किनारे उसका शव मिलने की सूचना से परिवार और इलाके में शोक व आक्रोश का माहौल है।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस : घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी मुख्यालय अकरम रजा और रामगढ़ थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, ताकि वैज्ञानिक तरीके से जांच कर हत्या की गुत्थी सुलझाई जा सके।

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि सुमित मंगलवार शाम किन लोगों के संपर्क में था। वह किस उद्देश्य से न्यू बगिया-दामोदर नदी रोड की ओर गया था और घटना से पहले उसकी गतिविधियां क्या थी। मृतक के परिचितों और संपर्क में रहे लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है।

डीएसपी मुख्यालय ने दी जानकारी : डीएसपी मुख्यालय अकरम रजा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन तहकीकात कर रही है। फिलहाल हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

सरायकेला में गम्हरिया स्टेशन के पास होटल संचालक पर अंधाधुंध फायरिंग, कमर में लगी गोली

सरायकेला: जिला में आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार रात आपराधिक घटना सामने आई है। जिससे पूरा इलाका दहल गया है।

मंगलवार रात लगभग 10 बजे रेलवे अंडरपास के समीप 8 से 10 की संख्या में आए अज्ञात बदमाशों ने गोराई होटल के संचालक विशाल गोराई पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अचानक हुई इस गोलीबारी में एक गोली विशाल के कमर में जा लगी, जिससे वे मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े।

इस ?घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल विशाल को जमशेदपुर स्थित टाटा मुख्य अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी स्थिति पर चिकित्सक नजर बनाए हुए हैं और इलाज जारी है। वहीं इस वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गये।

पुलिस ने शुरू की जांच : गोलीबारी की घटना की सूचना मिलते ही आदित्यपुर थाना पुलिस हरकत में आई। मामला दर्ज कर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। आदित्यपुर थाना प्रभारी अंजनी कुमार ने इस घटना की पुष्टि की है। थाना प्रभारी ने बताया कि गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस प्रारंभिक जांच में जुट गई है। शुरूआती जांच में मामला आपसी रंजिश से जुड़ा लग रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर अपराधियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इलाके में घटित इस वारदात के बाद से स्थानीय व्यवसायियों और निवासियों के बीच डर और आक्रोश का माहौल है।

बड़े भाई ने अपने ही छोटे भाई की धारदार हथियार से काटकर की हत्या

रांची : जिले के जगरनाथपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोलंकी स्थित हटिया रेलवे कॉलोनी से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां आपसी पारिवारिक विवाद में बड़े भाई ने अपने ही छोटे भाई की चापड़ (धारदार हथियार) से काटकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है पूरा मामला? : जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 26 वर्षीय आकाश उरांव के रूप में हुई है। आरोपी भाई सूरज उरांव हटिया रेलवे कॉलोनी स्थित एक झोपड़ी में रहता था। बुधवार को दोनों भाइयों के बीच किसी बात को लेकर आपसी विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर सूरज उरांव ने घर में रखे धारदार चापड़ से आकाश उरांव पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में आकाश गंभीर रूप से घायल हो गया और अत्यधिक खून बह जाने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और आरोपी की गिरफ्तारी : घटना की जानकारी मिलते ही जगरनाथपुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए भागने की फिराक में लगे आरोपी सूरज उरांव को इलाके से ही गिरफ्तार कर लिया। वारदात में इस्तेमाल किया गया चापड़ भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

बारिश और भूस्खलन से चारधाम यात्रा पर रोक, यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रशासन अलर्ट

देहरादून(ऐजेंसी) । उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन ने चारधाम यात्रा को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बुधवार को भानेरपानी के पास पहाड़ी से भारी मलबा गिरने के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया। इससे यात्रियों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हुई और प्रशासन को सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा रोकनी पड़ी। प्रशासन ने मंगलवार को ही चारधाम यात्रा स्थगित कर दी थी और बुधवार को भी यह निर्णय जारी रखा गया। अधिकारियों का कहना है कि लगातार भूस्खलन और भारी बारिश के अलर्ट के कारण कई यात्रा मार्ग असुरक्षित हो गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यात्रा फिलहाल बंद रखी गई है। गढ़वाल मंडलायुक्त ने स्पष्ट किया कि मौसम सामान्य होने, सभी प्रभावित मार्गों से मलबा हटने और उन्हें पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही चारधाम यात्रा दोबारा शुरू की जाएगी।

केदारनाथ हाईवे भी लगातार बारिश के कारण मुंकटिया क्षेत्र में मलबा और चट्टानें गिरने से बंद हो गया। सड़क को जल्द से जल्द खोलने के लिए युद्ध स्तर पर राहत कार्य चलाया जा रहा है। भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाकर

संपर्क बहाल करने की कोशिश की जा रही है। जिला प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

यात्रा कंट्रोल रूम पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है। सेक्टर अधिकारियों, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को समय-समय पर निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने मंगलवार को बताया कि सड़क मार्ग कई जगहों पर बाधित रह सकता है। उन्होंने कहा कि मुंकटिया में पहले भी सड़क बंद हुई थी, जिसे तुरंत खोल दिया गया था, लेकिन यह इलाका अब भी संवेदनशील बना हुआ है। यहां लगातार चट्टानें गिरने का खतरा बना हुआ है। इसलिए प्रभावित हिस्से से श्रद्धालुओं को प्रशासन की निगरानी में सुरक्षित तरीके से पार कराया जा रहा है। सेक्टर अधिकारी और बचाव दल लगातार मार्ग की निगरानी कर रहे हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी जा रही है। इस वर्ष लगातार बारिश और बार-बार हो रहे भूस्खलन का असर चारधाम यात्रा पर साफ दिखाई दे रहा है। प्रतिदिन यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है। इसके बावजूद अब तक 45 लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 25 जुलाई तक उत्तराखंड के चारधामों में कुल 45,23,412 श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। वहीं, पिछले 24 घंटे में केवल 8,126 श्रद्धालुओं ने यात्रा की। इनमें 2,778 श्रद्धालु बद्रीनाथ, 2,475 गंगोत्री, 942 केदारनाथ और 895 श्रद्धालु यमुनोत्री पहुंचे।

यात्रा शुरू होने के बाद से सबसे अधिक 15,53,525 श्रद्धालु बद्रीनाथ पहुंचे हैं। इसके बाद 14,14,590 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ, 7,09,418 ने गंगोत्री और 6,49,957 श्रद्धालुओं ने यमुनोत्री के दर्शन किए हैं।

पुलिस, जिला प्रशासन और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें संवेदनशील इलाकों में पूरी तरह सतर्क हैं। सभी एजेंसियां लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर रची हत्या की साजिश, 5 दिन बाद झाड़ियों से मिला था शव

संवाददाता

खूंटी : थाना क्षेत्र के डहुगुटू सरना टांड़ में मिले 50 वर्षीय ठुरहू पाहन उर्फ सागर मुंडा हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मृतक की 20 वर्षीय पत्नी मुक्ता कुमारी और उसके कथित प्रेमी 19 वर्षीय जोटो तिर्की उर्फ सेलाय को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गौरतलब है कि 24 जुलाई 2026 को डहुगुटू सरना टांड़ की झाड़ियों से सागर मुंडा का शव बरामद हुआ था। प्रारंभिक जांच में ही पुलिस को मामला संदिग्ध लगा था। मृतक की पत्नी के बयान पर खूंटी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष जांच टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध प्रमाणों के

आधार पर जोटो तिर्की उर्फ सेलाय को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए मृतक की पत्नी मुक्ता कुमारी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रचने की बात कबूल की। इसके बाद पुलिस ने मुक्ता कुमारी से भी पूछताछ की, जिसमें दोनों की संलिप्तता सामने आई। पुलिस के अनुसार, मुक्ता कुमारी और उसके प्रेमी ने मिलकर सागर मुंडा की हत्या की और पहचान छिपाने के उद्देश्य से शव को सरना टांड़ की झाड़ियों में फेंक दिया। घटना के बाद शव लगभग पांच दिनों तक झाड़ियों में छिपा रहा, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद किया। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की दौली, गमछा, घटना के समय पहने गए कपड़े तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मृतक सागर मुंडा की उम्र लगभग 50 वर्ष थी, जबकि उसकी पत्नी मुक्ता कुमारी मात्र 20 वर्ष की है। दोनों के बीच लगभग 30 वर्ष का उम्र का अंतर था। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के अनुसार, इसी दौरान मुक्ता कुमारी का जोटो तिर्की से प्रेम संबंध स्थापित हुआ और दोनों ने मिलकर सागर मुंडा को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। हालांकि, पुलिस ने अपनी आधिकारिक जानकारी में हत्या का मुख्य कारण अभियुक्तों की आपसी साजिश और प्रेम संबंध को माना है। उम्र के अंतर को लेकर जो बातें सामने आई हैं, वे अब तक की जांच में उभरे तथ्यों का हिस्सा हैं और मामले की अंतिम पुष्टि न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर होगी।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पूर्व सीएस डॉ. नागेश्वर मांझी की कार पलटी, बाल-बाल बचे

संवाददाता

तोरपा : खूंटी-कोलेबिरा राज्य राजमार्ग-3 पर तोरपा थाना क्षेत्र के डोडमा गांव स्थित प्रिंस होटल के समीप मंगलवार दोपहर करीब एक बजे खूंटी जिला के पूर्व सिविल सर्जन (सीएस) डॉ. नागेश्वर मांझी की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। दुर्घटना में उन्हें मामूली चोटें आईं, जबकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना की सूचना मिलते ही तोरपा प्रखंड के उप प्रमुख संतोष कर तथा स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सभी के सहयोग से डॉ. मांझी को दुर्घटनाग्रस्त कार से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए बिरसा हॉस्पिटल, जियारप्पा (खूंटी) भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉ. नागेश्वर मांझी अपनी कार से तोरपा से खूंटी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक झपकी आने के कारण कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में पलट गई।

घटना की सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और डॉ. मांझी से घटना की जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हालांकि दुर्घटना में डॉ. मांझी को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन कार को भारी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों की तत्परता और समय पर मिली सहायता से एक बड़ा हादसा टल गया।

मुरहू व सोयको मंडल की संयुक्त बैठक संपन्न, संगठन सशक्तिकरण पर हुआ मंथन

मुरहू (खूंटी): भारतीय जनता पार्टी मुरहू मंडल एवं सोयको मंडल की संयुक्त बैठक बुधवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुरहू मंडल अध्यक्ष विजय जी ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष एवं सोयको मंडल प्रभारी काशी नाथ महतो तथा खूंटी जिला मंत्री सह मुरहू मंडल प्रभारी प्रियांक भगत उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने मंडल, पंचायत एवं बूथ स्तर पर संगठन को अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक का संचालन मुरहू मंडल महामंत्री सुखमोहन नायक ने किया। वहीं, धन्यवाद ज्ञापन एवं सभा समापन की घोषणा सोयको मंडल अध्यक्ष श्री अमर मुंडू ने की।

इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष प्रसून कुमार मांझी, मंत्री रोहित मांझी, महामंत्री विजय भगत, मीडिया प्रभारी दीपक, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश प्रसाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामविहारी लाल, लक्ष्मण गोप, राजेश नायक, नंदी कंडीर, राहुल महतो सहित मंडल एवं पंचायत स्तर के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा बैठक को साजिश बताना भाजपा की हताशा का प्रमाण : मुंजनी

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने महागामा में आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समीक्षा बैठक को लेकर भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार, भ्रामक और राजनीतिक हताशा से प्रेरित बताया है।

उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि का अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों या मतदाता जागरूकता एवं पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेना कोई अपराध नहीं है। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहीं भी निर्वाचन आयोग की स्वायत्त प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं किया, बल्कि मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की जानकारी लेने का कार्य किया। सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि भाजपा को यदि वास्तव में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता की इतनी चिंता होती, तो वह उन राज्यों में आवाज उठाती जहां चुनाव के दौरान सत्ता का खुला दुरुपयोग हुआ। आज झारखंड में जनता के हित में हो रहे हर कार्य को विवादित बनाकर भाजपा अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की असफल कोशिश कर रही है।

तिलहेत पंचायत में विकास योजनाओं की जांच पर उठे सवाल

मुखिया ने लगाए गंभीर आरोप, बोलीं- बिना सूचना हुई जांच, न्याय नहीं पुनः निष्पक्ष जांच की मांग

जांच निष्पक्ष और नियमानुसार पूरी पारदर्शिता के साथ हुई: बीडीओ

संवाददाता

चतरा : हंटरगंज प्रखंड की तिलहेत पंचायत में 15वें वित्त आयोग की योजनाओं की जांच को लेकर नया विवाद सामने आया है। पंचायत की मुखिया सोनी देवी ने जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी से पूरे मामले की पुनः निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने बीडीओ को विस्तृत लिखित स्पष्टीकरण सौंपते हुए जांच प्रक्रिया को एकतरफा और नियमों के विपरीत बताया है।मुखिया सोनी देवी ने अपने आवेदन में कहा है कि वर्ष 2022 से 2026 के बीच पंचायत में संचालित विकास योजनाओं की जांच बिना उन्हें विधिवत सूचना दिए और उनकी अनुपस्थिति में की गई। उनका आरोप है कि जांच समिति ने पहले से ही पूर्वाग्रह के साथ जांच की और जांच प्रतिवेदन सहित संबंधित पत्रों की प्रति भी उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे वे अपना पक्ष प्रभावी ढंग से नहीं रख सकीं।उन्होंने आवेदन में यह भी कहा है कि पंचायत की योजनाओं का संचालन नियमानुसार पंचायत सचिव के माध्यम से किया जाता है।ऐसे में योजनाओं के क्रियान्वयन में मनमानी करने का आरोप पूरी तरह निराधार है। मुखिया ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच में उनके पति को उनका प्रतिनिधि बताना गलत है, क्योंकि किसी मुखिया के लिए प्रतिनिधि के माध्यम से जांच में शामिल होने का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है। मुखिया ने बीडीओ से आग्रह किया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तथ्यों के आधार पर दोबारा जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि उन्हें न्यायपूर्ण जांच प्रक्रिया पर पूरा विश्वास है और सच सामने आना चाहिए।इधर, पंचायत के कुछ जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने भी अलग से आवेदन देकर वर्ष 2022 से 2026 तक पंचायत में हुए विकास कार्यों की पुनः जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पूर्व में हुई जांच संतोषजनक नहीं थी, इसलिए वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए दोबारा निष्पक्ष जांच आवश्यक है।वहीं, इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी निखिल गौरव कमान कच्छप ने कहा कि पंचायत की जांच पूरी पारदर्शिता और नियमानुसार कराई गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में केवल मुखिया ही नहीं, बल्कि पंचायत सचिव से भी स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चाहे वह जनप्रतिनिधि हो या सरकारी कर्मी, दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।इस मामले को लेकर तिलहेत पंचायत में चर्चा का माहौल है। अब सभी की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई और संभावित पुनः जांच के फैसले पर टिकी हुई है।

मुखिया व जिप प्रतिनिधि ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

ग्रामीणों में हर्ष का माहौल

संवाददाता

चतरा : हंटरगंज प्रखंड के मीरपुर पंचायत अंतर्गत मीरपुर गांव के ग्रामीणों को लंबे समय से लो-वोल्टेज और बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या से आखिरकार राहत मिल गई। पंचायत में नए 63 केवी ट्रांसफार्मर का उद्घाटन जिला परिषद क्षेत्र संख्या-7 के प्रतिनिधि बेचन पासवान एवं मुखिया चंदा देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जिप प्रतिनिधि बेचन पासवान ने कहा कि वे हमेशा क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में साथ खड़े रहे हैं और आगे भी जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते रहेंगे।उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं का समाधान कराना उनकी पहली जिम्मेदारी है।वहीं मुखिया चंदा देवी ने बताया कि गांव में पहले 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगा था, जिस पर अधिक लोड पड़ने के कारण वह बार-बार खराब हो जाता था। इससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब उसकी जगह 63 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है, जिससे बिजली आपूर्ति अधिक सुचारु होगी और लोगों को बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या से राहत मिलेगी।नए ट्रांसफार्मर के चालू होने पर ग्रामीणों ने खुशी जताई और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों की सराहना की। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब गांव में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

झारखंड के खनिज क्षेत्र में निवेश को लेकर बढ़ी वैश्विक रुचि

संवाददाता

रांची: झारखंड के खनिज एवं औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को लेकर अमेरिका की यू.एस. इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएफसी) के क्षेत्रीय प्रबंध निदेशक (दक्षिण एशिया) जतिन बत्रा और बिजनेस डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट करिश्मा रोहरा ने मंगलवार को रांची में झारखंड सरकार के खान एवं भूतत्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में राज्य में विशेष रूप से क्रिटिकल मिनरल्स, खनिज अन्वेषण, खनिज प्रसंस्करण तथा खनिज आधारित उद्योगों में निवेश के अवसरों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने खान एवं भूतत्व विभाग तथा उद्योग विभाग के सचिव अरवा राजकमल से शिष्टाचार मुलाकात कर राज्य की निवेश-अनुकूल नीतियों, खनिज संसाधनों और औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक में खान एवं भूतत्व निदेशक राहुल कुमार सिन्हा तथा उद्योग निदेशक विशाल सागर भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान झारखंड की समृद्ध खनिज संपदा, वैज्ञानिक एवं सतत खनन, खनिज प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया। राज्य सरकार ने प्रतिनिधिमंडल को औद्योगिक एवं निवेश संवर्धन नीति, कारोबार सुगमता के लिए किए गए सुधारों तथा निवेशकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी जानकारी दी। साथ ही, खनिज आधारित डाउनस्ट्रीम उद्योगों को बढ़ावा देने और निजी निवेश आकर्षित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया गया।

डीएफसी प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड की निवेशोन्मुखी नीतियों और प्रचुर खनिज संसाधनों की सराहना करते हुए राज्य के खनिज एवं औद्योगिक क्षेत्र में सहयोग और निवेश की संभावनाओं में गहरी रुचि व्यक्त की। दोनों पक्षों ने भविष्य में प्रचलित नीतियों और विधिक प्रावधानों के अनुरूप सहयोग बढ़ाने तथा निवेश के नए अवसर तलाशने पर सहमति जताई।

झारखंड सरकार ने दोहराया कि वह राज्य के खनिज संसाधनों के पारदर्शी, उत्तरदायी और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा खनिज आधारित औद्योगिकीकरण, निवेश संवर्धन, रोजगार सृजन और समावेशी आर्थिक विकास को गति देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

निष्पक्ष पुनरीक्षण को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

रांची : झारखंड में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण - एसआईआर 2026 के तहत तैयार की जा रही ह्यएएसडीडीह्ल सूची में 27 जुलाई तक मतदाताओं की संख्या 40,04,817 पहुंचने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गहरी चिंता व्यक्त की है।

इस मुद्दे को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, महासचिव सूर्यकांत शुक्ला और लाल किशोर नाथ शाहदेव ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस नेताओं को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से भरोसा दिलाया गया कि पांच अगस्त के बाद चुनाव आयोग से 15 दिन का समय और बढ़ाने की सिफारिश की जाएगी।

कांग्रेस का कहना है कि एएसडीडी सूची में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिनमें से लापता श्रेणी के मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक चिंताजनक है। रांची, हटिया, कांके, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर पश्चिम जैसे प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे मतदाताओं की संख्या 75 हजार से 1.15 लाख तक है। पार्टी का मानना है कि जब राज्य में डिजिटाइजेशन का काम संतोषजनक स्थिति में है, तब अनुपस्थित श्रेणी में इतनी बड़ी संख्या होना सवाल खड़े करता है।

देवघर और दुमका सहित आसपास के जिलों में बाबाधाम सावन मेले की शुरूआत हो रही है, जिससे आम जनता और प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती है।

राज्यस्तरीय कार्यक्रम के तहत चतरा के 17 लाभुकों को मिला ड्राइविंग लाइसेंस

उपायुक्त ने सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन का दिया संदेश

संवाददाता

चतरा : झारखंड परिवहन विभाग के अपर सचिव रांची के पत्रांक-170, दिनांक 24.07.2026 के आलोक में मंगलवार को आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम के तहत चतरा जिले के 17 चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया गया। समाहरणालय में आयोजित सांकेतिक कार्यक्रम में उपायुक्त रवि आनंद ने लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस वितरित करते हुए उन्हें सुरक्षित, जिम्मेदार एवं यातायात नियमों के अनुरूप वाहन संचालन की शुभकामनाएं दीं।उल्लेखनीय है कि जमशेदपुर में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आईडीटीआरएस) की स्थापना हेतु परिवहन विभाग, झारखंड एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर

हस्ताक्षर का राज्यस्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री, झारखंड एवं मंत्री, परिवहन विभाग की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी जिलों में किया गया, जिसके क्रम में चतरा जिले में भी चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस का वितरण किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि प्रशिक्षित एवं जिम्मेदार चालक सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लाभुकों से सदैव यातायात नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित वाहन संचालन करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा जिले के सभी प्रखंडों में 1 जुलाई से 25 अगस्त 2026 तक विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक पत्थलगड्डा, चतरा, कुंदा, प्रतापपुर, हंटरगंज एवं कान्हाचट्टी प्रखंडों में शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 1,058 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 707 आवेदकों को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस निर्गत किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि शेष प्रखंडों में भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विशेष शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र आवेदकों को ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी सहित लाभुक उपस्थित थे।

पुराने डिस्ट्रीब्यूटर का सेटलमेंट किए बिना नए की नियुक्ति पर व्यापारियों का विरोध,चैंबर ने दी सामूहिक कार्रवाई की चेतावनी

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कंज्यूमर ड्युरेबल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उप समिति की बैठक मंगलवार को चैंबर भवन में आयोजित हुई। बैठक में कंपनियों द्वारा वर्तमान डिस्ट्रीब्यूटर का बकाया भुगतान एवं सेटलमेंट किए बिना नए डिस्ट्रीब्यूटर की नियुक्ति किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सदस्यों ने कहा कि इससे पुराने डिस्ट्रीब्यूटरों की पूंजी फंस जाती है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। चैंबर के उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि जब तक किसी डिस्ट्रीब्यूटर का पूरा सेटलमेंट नहीं हो जाता, तब तक ऐसी कंपनियों के साथ व्यापार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर व्यापारियों द्वारा संबंधित कंपनियों की डीलरशिप का भी सामूहिक रूप से विरोध किया जाएगा। बैठक में ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय रिटेल कारोबारियों के सामने उत्पन्न चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। सदस्यों ने कहा कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के कारण स्थानीय दुकानदारों का कारोबार लगातार प्रभावित हो रहा है। उप समिति के चेयरमैन श्रीकृष्ण अग्रवाल ने व्यापारियों से सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रतिष्ठानों का प्रचार-प्रसार करने और ग्राहकों को बेहतर सेवा एवं विश्वास प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजार को मजबूत बनाने के लिए आधुनिक प्रचार-प्रसार के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवा पर विशेष ध्यान देना होगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि कोई खुदरा व्यापारी रांची के डिस्ट्रीब्यूटरों का भुगतान रोककर अन्य बाजारों से व्यापार करता है, तो ऐसे मामलों की सूची राज्यभर के डिस्ट्रीब्यूटरों के साथ साझा की जाएगी, ताकि व्यापारिक अनुशासन बनाए रखा जा सके। श्रीकृष्ण अग्रवाल ने कहा कि कंपनियों को व्यापारिक नैतिकता का पालन करते हुए पुराने डिस्ट्रीब्यूटर का पूरा सेटलमेंट करने के बाद ही नए डिस्ट्रीब्यूटर की नियुक्ति करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कंपनियां अपने व्यावसायिक दायित्वों का निर्वहन नहीं करती हैं, तो व्यापारी समाज अपने हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवश्यक कदम उठाएगा।

हेपेटाइटिस दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हेपेटाइटिस के प्रति रहें सतर्क, बीमारी गंभीर होने से पहले कराएं जांच : विशेषज्ञ

संवाददाता

रांचीः इन दिनों झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में हेपेटाइटिस यानी लीवर का सूजन की समस्या आम हो गई है। यह वायरस, शराब का अत्यधिक सेवन, कुछ दवाओं, विषैले पदार्थों या ऑटोइम्यून रोगों के कारण हो सकता है।

इसके प्रमुख लक्षण हैं– पीलिया, थकान, भूख कम लगना, मतली, पेट दर्द और गहरे रंग का मूत्र है। जिसका समय पर जांच और उपचार से गंभीर बीमारी होने से बचा जा सकता है। यह बातें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित हेपेटाइटिस दिवस पर सामने आया है।

इस मौके पर हेपेटाइटिसः लेट्स ब्रेक इट डाउन विषय पर आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने विचार रखे। रांची के निजी होटल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. कमलेश कुमार, राज्य नोडल पदाधिकारी, वायरल हेपेटाइटिस प्रोग्राम, के स्वागत भाषण और मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

रांची सिविल सर्जन डॉ। प्रभात कुमार ने भी इस मौके पर संबोधित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय

स्वास्थ्य मिशन झारखंड द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2017 से जून 2026 तक के राज्य में कुल 2,94,411 जांच हुए जिसमें हेपेटाइटिस बी (एचबीवी) की पॉजिटिविटी दर 3।36% से घटकर 1.58% पर आ गई है, जबकि हेपेटाइटिस सी (एचसीवी) की दर 0.14% से बढ़कर 0.64% के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई है।

जांच और इलाज की प्रक्रिया में कोई विलंब न हो- अभियान निदेशक

एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने रोकथाम और जागरूकता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बचाव ही एकमात्र इलाज है, इसलिए हमें प्रिवेंशन की ओर मजबूती से कदम बढ़ाने होंगे। उन्होंने समाज में हेपेटाइटिस को लेकर जागरूकता की कमी को एक प्रमुख चुनौती बताया और विशेषज्ञों की कमी और बीमारी की जटिलता को देखते हुए त्वरित कदम उठाने की आवश्यकता जताई और छोटे जिलों से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हेपेटाइटिस उन्मूलन के लिए सभी आवश्यक जांच अभियान शुरू करने का सुझाव दिया।

राज्य महामारी विशेषज्ञ डॉ। प्रवीण कुमार कर्ण ने राज्य में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति और 2030 तक हेपेटाइटिस उन्मूलन पर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में हेपेटाइटिस सी से पूरी तरह स्वस्थ हो चुके मरीजों को प्रमाण पत्र सौंपे गए तथा समाज में जागरूकता फैलाने वाले पीयर सपोर्टर्स को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

तकनीकी सत्र में रिम्स रांची के माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डा मनोज कुमार ने वायरल हेपेटाइटिस बी व सी की लैब जांच एवं वायरल लोड टेस्टिंग की चुनौतियाँ विषय पर व्याख्यान दिया। इसके बाद हेपेटाइटिस बी एवं सी के उपचार विषय पर रिम्स के मेडिसिन विभाग से डॉ। अजीत डुंगडुंग, डॉ. सिद्धार्थ कपूर (सहायक प्रोफेसर) तथा डॉ. रश्मि सिन्हा ने विस्तृत जानकारी साझा की।

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निचले स्तर तक मरीजों की पहचान करने तथा उन्हें तुरंत इलाज से जोड़ने के लिए एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, क्षेत्रीय अस्पतालों और जांच प्रयोगशालाओं के बीच बेहतर तालमेल बैठाने पर जोर दिया ताकि जांच और इलाज की प्रक्रिया में कोई विलंब न हो।

रांची में 1 व 2 अगस्त को सजेगा युवा कलाकारों का महाकुंभ

रांची : भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की स्वायत्त संस्था संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली एवं रांची विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 1 एवं 2 अगस्त को रांची में दो दिवसीय ह्यकला संवाद एवं युवा कलोत्सवह्न का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में झारखंड, बिहार, ओड़िशा एवं पश्चिम बंगाल के युवा कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ 1 अगस्त को सुबह 10 बजे रांची विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी सभागार में आयोजित ह्यकला संवादह्न से होगा। इस वर्ष संवाद का विषय ह्यश्रीमद्भगवद्गीता एवं नाट्यशास्त्र में मानवता का स्वरह्न रखा गया है। विषय पर प्रख्यात साहित्यकार अनिल कुमार झा (देवघर) तथा रांची विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. नीलिमा पाठक अपने विचार प्रस्तुत करेंगी। इसी दिन सायं 6 बजे से आर्यभट्ट सभागार में युवा कलोत्सव का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन रांची के सांसद एवं भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सरोज शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

इस अवसर पर मंच पर संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष, कालिदास सम्मान से सम्मानित प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना एवं नाट्यशास्त्र की विदुषी डॉ संध्या पुरेचा तथा अकादमी के सचिव राजू दास की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में संगीत नाटक अकादमी की ओर से प्रकाशित कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकों का भी लोकार्पण किया जाएगा।

अशोक नगर चोरी केस में एक और आरोपी गिरफ्तार, जेवर भी बरामद

रांची : राजधानी के अशोकनगर में हुई हाई प्रोफाइल चोरी के मामले का लगातार खुलासा हो रहा है। इससे पहले रांची पुलिस ने जहां दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया, वहीं आज एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने 65 लाख मूल्य के 400 ग्राम चोरी के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। जानकारी देते हुए रांची सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि 9 जुलाई को अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक नगर निवासी निशित केसरी और अभिषेक पांडेय के घर में चोरी की घटना हुई थी। इस संबंध में अरगोड़ा थाना में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान गठित एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए समीर खान उर्फ कबीर खान (निवासी- शुक्ला रोड, थाना नगर, मुजफ्फरपुर, बिहार) को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से चोरी के 400 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए, जिनकी बाजार कीमत लगभग 65 लाख रुपये बताई जा रही है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉंची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

अज्ञात पुरूष का शव, उम्र करीब 25 वर्ष

उपरोक्त अज्ञात पुरूष का शव मुरी ओ0पी0 थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम–जोबला रेल फाटक के पास रेल पटरी के बीच से बरामद किया गया है। शव की पहचान अबतक नहीं हो सकी है। जिसके संबंध में मुरी ओ0पी0 यू0डी0 काण्ड सं0–07/2026, दिनांक–01.07.2026 दर्ज किया गया है। इनकी पहचान हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि आपको इस पुरूष के शव के बारे में जानकारी हो तो वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय रॉंची में या संबंधित थाना या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दे।

पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, रॉंची। –9431770066
थाना प्रभारी मुरी ओ0पी0, रॉंची। –8877257523

वरीय पुलिस अधीक्षक,
रॉंची

PR 386081 (Police)26-27*D

सीसीएल में सुरक्षा को लेकर मंथन

श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: निलेंदु कुमार सिंह

संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की 37वीं कॉर्पोरेट स्तरीय त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को रांची में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) निलेंदु कुमार सिंह ने की। इसमें खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस), सीसीएल प्रबंधन तथा सीसीएल सुरक्षा बोर्ड के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर खदानों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में सीसीएल की वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था और उसके अनुपालन की गहन समीक्षा की गई। साथ ही पिछली त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए सुझावों और अनुशंसाओं पर हुई प्रगति का मूल्यांकन किया गया। कार्यस्थल सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य, वैधानिक प्रावधानों के पालन तथा खदान कर्मियों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ उप महानिदेशक (केंद्रीय क्षेत्र) आरटी मंडेकर ने डीजीएमएस के अधिकारियों, सीसीएल के निदेशकों एवं सुरक्षा बोर्ड के सदस्यों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद सभी अतिथियों को शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

बैठक के दौरान सुरक्षा बोर्ड के सदस्यों ने कोयला खदानों में सुरक्षा से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिनका सभी ने स्वागत किया।

उप महानिदेशक (दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र) एस.एस. प्रसाद ने खदानों में कार्यरत महिलाओं के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कर्मचारियों की प्रतिवर्ष होने वाली प्रारंभिक चिकित्सा जांच (पीएमई) के लिए आधुनिक और बेहतर स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी सुझाव दिया।

उप महानिदेशक आरटी मंडेकर ने महिला कर्मियों के लिए अलग शौचालयों का शीघ्र निर्माण कराने, अत्याधुनिक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने तथा नए श्रम संहिता के तहत व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रावधानों को लागू करने के लिए विशेष कार्यबल गठित करने का सुझाव दिया। उन्होंने अन्य उपक्रमों में अपने अनुभव साझा करते हुए कई व्यावहारिक और उपयोगी सुझाव भी दिए।

सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह ने डीजीएमएस के अधिकारियों, विशेष रूप से उप महानिदेशक (केंद्रीय क्षेत्र) और उप महानिदेशक (दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र) द्वारा श्रमिक हित में दिए गए सुझावों की सराहना की। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी महत्वपूर्ण सुझावों को तय समय-सीमा के भीतर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीसीएल के लिए श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी संबंधित पक्षों के सहयोग से सुरक्षित वातावरण में देश के कोयला उत्पादन लक्ष्य को हासिल किया जाएगा।

श्री श्याम मंदिर में सुंदरकांड का हुआ पाठ

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 214वें श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर परिसर ह्यराम सिया राम, सिया राम जय-जय रामह्न के संकीर्तन और ह्यजय बजरंग बलीह्न के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल के निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने आशा मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कराकर कराया। इसके बाद आशा मोदी ने केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फलों का भोग अर्पित किया तथा श्रीरामचरितमानस का पूजन कर पाठ वाचकों का चंदन-वंदन किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक और ढपली की मधुर धुन पर श्रीगणेश वंदना के साथ श्री हनुमान चालीसा का पाठ प्रारंभ किया। इसके बाद श्रद्धालुओं की सहभागिता से श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। अंत में महाआरती के बाद सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। प्रसाद सेवा में श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा, मनीष साहू ने गिरिगोला तथा राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद की सेवा प्रदान की। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़ियां, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान सहित कृष्णा, अंकित सिंह, संकेत चौधरी, ऋषभ चौरसिया, हर्ष मिश्रा, हिमांशु कुमार एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा।

(E-MAIL ID – midloh632@gmail.com)

e-Procurement Notice

Short Tender Reference No. MID/LOHARDAGA/F2-47/2026-27 Date – 28/07/2026

पत्रांक ...../ लोहरदगा, दिनांक ...../

1	बेबसाइड में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	:– 07.08.2026 अपराह्न 2.00 बजे तक।
2	ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि/समय	:– 13.08.2026 अपराह्न 2.00 बजे तक।
3	ऑनलाइन ई–निविदा शुल्क एवं EMD जमा करने की अंतिम तिथि/समय	:– 13.08.2026 अपराह्न 2.00 बजे तक।
4	ई–निविदा खोलने की तिथि/समय	:– 14.08.2026 अपराह्न 4.30 बजे तक।
5	ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नामएवं पता	:– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा।
6	ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का मो0 न0 एवं ई–मेल आई0डी0	:– 9801286765 midloh632@gmail.com
7	कार्य मद	:– जिला योजना अनाबद्ध निधि।
	कार्य का विस्तृत विवरण	:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	अभियुक्ति।
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	ग्राम तिगरा में देवी मण्डप से चटटी टोली तक 720 फीट पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	लोहरदगा	तिगरा	तिगरा	1197600.00	02 माह	

Note:- (1) Only e-Tender will be accepted
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Minor Irrigation Division, Lohardaga.

PR 386093 Lohardaga(26-27)D

श्रावण में श्रद्धालुओं के स्वागत को तैयार रांची नगर निगम

पहाड़ी मंदिर, स्वर्णरेखा घाट और शिवालयों में विशेष इंतजाम

1400 से अधिक सफाई कर्मी तैनात, 189 स्ट्रीट लाइट दुरुस्त

संवाददाता

रांची : पावन श्रावण माह के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए रांची नगर निगम ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। 30 जुलाई 2026 से शुरू हो रहे श्रावण माह में हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहाड़ी मंदिर, स्वर्णरेखा नदी स्थित कांवड़ जल उठाव स्थल, सुरेश्वर धाम चुटिया सहित शहर के विभिन्न शिवालयों में पहुंचेंगे। इसे देखते हुए नगर निगम ने विशेष कार्ययोजना तैयार कर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली हैं।

श्रद्धालुओं को स्वच्छ और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पहाड़ी मंदिर परिसर और मार्ग पर 100 सफाई मित्रों की तैनाती की गई है। वहीं स्वर्णरेखा नदी स्थित कांवड़ जल उठाव स्थल पर 40 सफाई कर्मी लगाए गए हैं। शहर के अन्य शिवालयों और मंदिरों के आसपास बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए करीब 1200 सफाई कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। पूरे श्रावण माह में सफाई अभियान तीन पालियों में लगातार चलेगा।

नगर निगम की ओर से मंदिर मार्गों की सफाई, कचरा उठाव, झाड़ियों की कटाई, ब्लीचिंग पाउडर और एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। बरसात को देखते हुए पहाड़ी

मंदिर मार्ग और स्वर्णरेखा घाट के आसपास गड्ढों को स्टोन डस्ट डालकर समतल किया गया है। इसके लिए करीब 12 हाईवा स्टोन डस्ट का उपयोग किया गया है।

रात्रि में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रकाश व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। पांच विशेष टीमों ने 384 स्ट्रीट लाइटों की जांच कर 189 खराब लाइटों को दुरुस्त किया है। पहाड़ी मंदिर क्षेत्र, स्वर्णरेखा घाट और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था की गई है।

पेयजल सुविधा के लिए पहाड़ी मंदिर मार्ग पर छह, स्वर्णरेखा घाट पर चार और सुरेश्वर धाम चुटिया में चार वाटर टैंकर की व्यवस्था की गई है। साथ ही सभी मॉड्यूलर और सुलभ शौचालयों की विशेष सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया गया है।

बरसात के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए पहाड़ी मंदिर मार्ग और आसपास करीब 40 पेड़ों की छंटाई भी कराई गई है। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पहाड़ी मंदिर क्षेत्र और अन्य शिवालयों के आसपास नो प्लास्टिक जोन घोषित किया गया है। नगर निगम ने दुकानदारों और श्रद्धालुओं से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील की है।

नगर आयुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रावण माह के दौरान नगर निगम की सभी संबंधित शाखाएं अलर्ट मोड में रहेंगी और सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था समेत सभी नागरिक सुविधाओं की लगातार निगरानी की जाएगी। किसी भी शिकायत या सहायता के लिए नागरिक रांची नगर निगम के टोल फ्री नंबर 1800 570 1235 पर संपर्क कर सकते हैं।

जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी।

वेद व्यास आवास निर्माण योजना हेतु (चतुर्थ)आवेदन–पत्र आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27

वित्तीय वर्ष 2026–27 में सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रांची के राज्यादेश संख्या 04 (रा0) वि0, दिनांक 21.05.2026 के आलोक में खूँटी जिले में वेद व्यास आवास निर्माण योजनान्तर्गत लघु शीर्ष 789 अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना में 02 एवं लघु शीर्ष 796 जनजातीय उप योजना में 06 अर्थात् कुल 08 वेद व्यास आवास निर्माण का भौतिक लक्ष्य प्राप्त है। योजना के कार्यान्वयन में आवास का निर्माण कलस्टर में किया जाना है अतः यथासंभव पूर्व में सृजित कलस्टर के छूटे हुए लाभुकों को इस योजना से आच्छादित किया जायेगा तथा आवेदक के आवासीय भूमि ब्यौरा भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र (LPC) अंचलाधिकारी के स्तर से हस्ताक्षरित एवं मुहर के साथ उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। वेद व्यास आवास निर्माण हेतु प्रति लाभुक अधिकतम रो0 1,91,200/–रू0 की आर्थिक सहायता देय होगा जो नये अनुसूची दर पर है। द्वितीय विज्ञापन प्रकाशन के बाद भी पर्याप्त आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण चतुर्थ सूचना निर्गत की जा रही है।

योजना हेतु अहर्ताएँ निम्न प्रकार है :–

1. सक्रिय अथवा परम्परागत मत्स्य पालक/मछुआ, जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादन/प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकड़ने के कार्य तथा मत्स्य बिक्री में सक्रिय हो, इससे संबंधित कार्य का आवेदक के साथ GPS फोटो संलग्न किया जाना है।
2. प्राथमिकता गरीबी रेखा से नीचे कच्चे मिट्टी से बने अथवा फूस के मकान में रहने वाले मछुआ/मत्स्य पालक को दी जायेगी।
3. आवास निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध रहने तथा कच्चा घर वाले मछुआरों को भी कंडिका 1 एवं 2 के अतिरिक्त लाभान्वित किया जा सकता है। एक परिवार में सिर्फ एक आवास देय होगा।
4. प्रक्रियानुसार आवेदक दिव्यांगो हेतु स्वीकृत राशि का न्यूनतन 3 प्रतिशत तथा महिलाओं के लिए न्यूनतन 10 प्रतिशत राशि का प्रावधान जिलावार किया जायेगा। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया गया है।
5. वेद व्यास आवास का निर्माण आवेदकों के निजी जमीन पर कराया जाएगा।
6. ऐसे लाभुको को दोबारा लाभ नहीं दिया जायेगा, जो पूर्व संचालित विभागीय मछुआ आवास योजना/वेद व्यास आवास योजना अथवा इंदिरा आवास या समतुल्य केन्द्र/राज्य सरकार की आवास योजना से लाभान्वित हो चुके है।
7. योजना का अनुश्रवण ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी द्वारा किया जाएगा।
8. पूर्व में सरकारी आवास लाभ प्राप्त नहीं होने संबंधी शपथ–पत्र संलग्न करना होगा।
9. आवेदन पर निर्दिष्ट स्थान (कॉलम) में अंकित आवासीय भूमि ब्यौरा, भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र (LPC) अंचलाधिकारी स्तर से हस्ताक्षरित एवं मुहर के साथ उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
10. आवेदक के साथ घर के वर्तमान भौतिक स्थिति का Geo tag फोटो आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
11. बैंक खाता, आधार कार्ड/पेन कार्ड/वोटर आई डी कार्ड तथा जाति प्रमाण पत्र (online) की स्वहस्ताक्षरित छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
12. दिव्यांग आवेदकों के लिए दिव्यांगता संबंधी प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

नोट :–उपर्युक्त अहर्ताओं के अधीन सुयोग्य आवेदकों से जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में आवेदन आमंत्रित किये जाते है। दिनांक 10/08/2026 तक जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन प्रपत्र कार्यालय में निःशुल्क उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

नोटः– इस योजना में "पहले आओ पहले पाओ" की तर्ज पर लाभुक चयन किया जाएगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी खूँटी।

PR 386043 Fish(26-27)D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

महाराष्ट्र की दिंडी यात्रा का मध्यप्रदेश से सम्बन्ध

इस समय पूरे देश में भक्तिमय वातावरण दिखाई दे रहा है । हाल ही में जगन्नाथ पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हुई । देश में भक्ति आंदोलन की परंपराओं में से एक आषाढ़ एकादशी पर भगवान विट्ठल के दर्शन हेतु पहुंचने वाली दिंडी यात्राएं भी महाराष्ट्र में शुरू हो गयी हैं। इस यात्रा की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। लाखों लोग इस यात्रा में हर साल शामिल होते हैं । महाराष्ट्र में आषाढ़ मास की एकादशी के अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण के विट्ठल स्वरूप के दर्शन करने के लिए पंढरपुर पहुंचते हैं। पंढरपुर की इस यात्रा को वारि कहा जाता है। इस यात्रा में सभी भक्त पूज्य संतों के स्थान से उनकी पवित्र चरण पादुकाओं को पालकी में रख कर पैदल निकल पड़ते हैं। उसके आगे संतों द्वारा रचित अभंगों का गायन करते हुए वारकरी भक्त चलते हैं। इस शोभा यात्रा को दिंडी कहा जाता है। विगत आठझनौ सौ वर्षों में वारकरी परंपरा का अनुसरण करते हुए अनेक बड़े-बड़े संत हुए हैं। खास बात यह है कि ये सभी संत समाज के अलग-अलग घटकों से निकले हैं, संत ज्ञानेश्वर द्वारा शुरू की गई इस परंपरा का अनुसरण करते हुए जिसमें खासतौर पर संत तुकाराम, संत एकनाथ, संत चोखा मेला, सन्त गोरा कुंभार, संत सेन महाराज, संत सावता माली, संत नरहरी सोनार जैसे संत हुए हैं । वारकरी संप्रदाय की एक विलक्षण आचार पद्धति है। जिसमें सभी बिना किसी भेदभाव के एक दूसरे के चरण छूते हैं। वे मानते हैं कि सभी प्राणियों के भीतर एक ही ईश्वर का अंश है। इसलिए वह आपस में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखते हैं। आज जब समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार के प्रयोग किए जा रहे हैं ऐसे समय में संत ज्ञानेश्वर महाराज द्वारा लगभग आठ सौ वर्ष पूर्व शुरू किया गया यह प्रयोग आज भी सफल है, निरंतर चल रहा है। जिस संत की समाधि पंढरपुर से जितनी दूरी पर है उतनी दूरी को पैदल चलकर पूरा करने में जितना समय लगता है उस समय के आधार पर दिंडी यात्राएं संतों के समाधि मंदिरों से निकलना शुरू होती है। सभी वारकरी भक्त अपने साथ केवल रोजमर्रा के लिए काम आने वाला सामान जैसे कुछ कपड़े, सहारे के लिए लकड़ी आदि लेकर चलते हैं। पूरे दिंडी मार्ग पर समाज द्वारा उनके भोजन, आवास आदि की व्यवस्था की जाती है, ये क्रम परपरागत रूप से अनेक वर्षों से चला आ रहा है । कुछ वर्षों पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने निर्मल वारी के नाम से एक सफल प्रयोग शुरू किया। इस यात्रा में लाखों की संख्या में भक्तजन एक ही निर्धारित मार्ग से चलते हैं, इसलिए मार्ग में किसी प्रकार का कचरा ना हो, गंदगी ना हो, प्रातः कालीन विधि के दौरान उत्सर्जित होने वाले मल का समुचित निस्तारण हो इसके लिए संघ के स्वयंसेवकों ने एक बड़ा अभियान चलाया जिसे बड़ी सफलता मिली है । वर्तमान दिंडी यात्रा के स्वरूप का मध्यप्रदेश से संबंध है। मध्यप्रदेश में तत्कालीन सिंधिया स्टेट में हैबत राव पवार एक सेना अधिकारी थे, वे भगवान विट्ठल के अनन्य भक्त थे, संत ज्ञानेश्वर पर उनकी बड़ी निष्ठा और श्रद्धा थी। जब वे सेवानिवृत हुए तब उन्होंने पुनः अपने जन्म स्थान महाराष्ट्र में अरफल जाने की इच्छा महाराज के सामने रखी। महाराज ने उन्हें बड़ी धनराशि और सोने चांदी के जेवर आदि देकर सम्मान के साथ विदा किया। रास्ते में एक स्थान पर जनजाति समुदाय की एक टोली ने उनका रास्ता रोका, धन संपत्ति को लूट लिया। इस झड़प में उनके साथ चल रहे अनेक सैनिक भी मारे गए। हैबत राव को एक गुफा में बंद कर दिया गया। जब वह गुफा में बंद थे तब उन्हें लगा कि अब यहीं उनका अंत होने वाला है। उन्होंने भगवान विट्ठल की प्रार्थना और संत ज्ञानेश्वर को हृदय की गहराई से पुकार लगना शुरू किया। ऐसा कहा जाता है कि संत ज्ञानेश्वर ने उस टोली के मुखिया की पत्नी को जिसे लंबे समय से संतान नहीं हो रही थी, के स्वप्न में आकर कहा कि यदि तूम मेरे इस भक्त को छोड़ देते हो तो तुम्हें संतान प्राप्ति होगी। उसने ये बात अपने मुखिया पति को बताई। टोली ने हैबत राव को छोड़ दिया। लेकिन इस बात का हैबत राव जी के मन पर बड़ा परिणाम हुआ और उन्होंने अपने गांव अरफल न जाते हुए संत ज्ञानेश्वर की संजीवन समाधि आळंदी जाने का निश्चय किया। यहां उन्होंने संत ज्ञानेश्वर की समाधि मंदिर की आजीवन सेवा की। सेना में रहने के कारण वे हर काम बड़े अनुशासन और व्यवस्थित पद्धति तरीके से करने के आदी थे। हर साल निकलने वाले दिंडी यात्रा के स्वरूप को देखकर उसे ज्यादा व्यवस्थित, अनुशासित और क्रमबद्ध करने का विचार उनके मन में आया । इसके लिए उन्होंने 1832 में दिंडी यात्रा के लिए भक्तों के चलने का क्रम तय किया। सबसे आगे भगवा ध्वज, बड़े मंजीरे जिन्हें मराठी में टाळ कहते हैं, फिर तंबोरा वादक, पालकी जिसमें संतों की चरण पादुकाएं रहेगी और पीछे सभी वारकरी भक्ति चलेंगे ये क्रम बनाया। इस यात्रा को शाही स्वरूप देने के लिए उन्होंने बेलगांव के सरदार शितोले से अनुरोध किया। उन्होंने पालकी को शाही स्वरूप देने के लिए रेशमी वस्त्र, हाथी और घोड़े और अनेक साजो सामान देना शुरू किया। आज लगभग 196 वर्षों के बाद भी दिंडी इसी स्वरूप में चलती हुई दिखाई देती है। हैबत राव के इस अनुपम कार्य के कारण आज श्रद्धालु उनको हैबत बाबा के नाम से याद करते हैं।

होलकर रियासत के जागीरदार श्री विसाजी लाम्भाते भगवान विट्ठल के परम भक्त थे और हर साल महाराष्ट्र के पंढरपुर की वारि में जाते थे। एक बार किसी कारण वे पंढरपुर नहीं जा सके, जिससे वे बड़े दुखी हुए। कहा जाता है उसी रात भगवान विट्ठल ने उनके स्वप्न में आकर दर्शन दिए और कहा कि वे स्वयं उनके पास आ चुके हैं और पास के ही एक कुंड में हैं। स्वप्न में दिखे स्थान से भगवान विट्ठलनाथ की स्वयं स्वयंभू मूर्ति को निकाला गया।

पंढरपुर की तरह इंदौर में भी कान्ह और सरस्वती नदी के संगम के पास एक ऐसे स्थान को चुना गया जहाँ नदी अर्धचंद्राकार में मुड़ती है। इस कारण इंदौर के इस क्षेत्र को 'चंद्रभागा' कहा जाने लगा। यहाँ भगवान विट्ठल जिन्हें पंढरीनाथ भी कहा जाता है के भव्य मंदिर का निर्माण महाराजा मल्हार राव होलकर द्वितीय के शासनकाल के दौरान 1811 से 1833 के बीच करवाया गया । इंदौर के शुकदेव शास्त्रीजी ने 1944 में दिंडी यात्रा शुरू की। इसी प्रकार से 1949 में श्री बापुराव धनावडे ने भी एक दिंडी यात्रा इंदौर में शुरू की। ये यात्राएं आज भी निकलती है। वर्ष 2006-07 में माधव राव सदाशिव राव गोलवलकर (श्री गुरुजी) की जन्मशताब्दी वर्ष में समाज में समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम हो रहे थे। इसे कड़ी में दिंडी यात्रा को बड़ा स्वरुप देने का विचार कर समग्र मराठी समाज, मध्यप्रदेश मंच बनाकर बड़े पैमाने पर इंदौर में दिंडी यात्रा शुरू हुई। आगे चलकर ये यात्रा 2010 में भोपाल, 2013 में छिंदवाड़ा, 2015 में जबलपुर और गत वर्ष से उज्जैन में भी शुरू हुई है। मध्यप्रदेश में पंढरपुर की तर्ज पर ये यात्राएं निकाली जा रही हैं। इस तरह महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने की एक मुख्य कड़ी साबित हो रही है।

किराए की कोख की दुकानों पर अंकुश

अब ऑनलाइन जानकारी होने से निगरानी तंत्र के पास सरोगेसी क्लीनिक संचालन व नवीनीकरण संबंधी जानकारी हर वक्त सामने होगी। इससे अनियमितता को आसानी से चिन्हित कर लिया जाएगा। क्लीनिक के पास क्या वैध दस्तावेज हैं, इसकी भी पुख्ता जानकारी मिलती रहेगी। कोई भी कमी पाए जाने पर संस्था को प्रतिबंधित किया जा सकेगा। इन केंद्रों के कर्मचारियों और बच्चों के जन्म की जानकारी भी मिलती रहेगी।

केंद्र सरकार ह्यकिराए की कोखह्य यानी सरोगेसी मदर की क्लीनिक के नाम पर खुली मनमानी दुकानों पर अंकुश लगने जा रही है। अब कुकुरमुत्तों की तरह देशभर में खुल रही नई दुकानें खोलने पर सख्ती बरती जाएगी। सरोगेसी केंद्रों और इनमें होने वाले फजीर्वाड़े को रोकने के लिए सरकार ने इसमें पंजीयन और संचालन के नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत इन केंद्रों को अब उपग्रहों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा। अब केवल राष्ट्रीय पोर्टल

प्रमोद भार्गव

और ऑनलाइन आवेदन ही होंगे। इस पर निगरानी ऑनलाइन सॉफ्टवेयर से होगी। कागजी आवेदन व दस्तावेजीकरण की सुविधा पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। ये क्लीनिक अन्य दूसरे क्लीनिक को चिकित्सा सुविधा नहीं दे सकेगा। केंद्र सरकार ने राज्यों को निर्देश दिए हैं कि नए नियमों का सख्ती से पालन किया जाए।

दरअसल, किराए की कोख का व्यवसायीकरण हो रहा है। यह इस तथ्य से पता चला कि कुछ ही सालों के भीतर देश में 35 से 50 प्रतिशत केंद्रों की संख्या बढ़ गई। इसी अनुपात में देश-विदेश में ठगी की घटनाएं भी बढ़ी हैं। हैदराबाद में ऐसा गिरोह पकड़ा गया, जो 2 से 4 लाख में कोख किराए पर लेकर 30 लाख रुपए तक में बेच देते थे। यहां तक कि विदेशों से भी शुक्राणु दानदाता लाए गए। यानी देश के बाहर भी बच्चे बेचे गए। हालांकि 2025 में सरकार ने शुक्राणु दाता नियमों में बदलाव किया था लेकिन कारोबारियों ने इन नियमों की अनदेखी की। नाबालिग और अविवाहित लड़कियों की कोख का भी अवैध इस्तेमाल किया गया। भारत में कोख किराए से लेने का खर्च 10 से 25 लाख है, जबकि विदेशों में 80 लाख से डेढ़ करोड़ रुपए तक है। इसलिए सरोगेसी क्लीनिकों में किराए की कोख अवैध कारोबार का बड़ा धंधा बनती जा रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु में सरोगेसी के अनेक ठगी के मामले सामने आए हैं। इसलिए सरकार को नियमों में बदलाव करना पड़ा। इसके पहले 2025 में लिव इन और समलैंगिक युगलों को किराए की कोख के जरिए माता-पिता बनने का अधिकार देने से साफ मना कर दिया था।

अब ऑनलाइन जानकारी होने से निगरानी तंत्र के पास सरोगेसी क्लीनिक संचालन व नवीनीकरण संबंधी जानकारी हर वक्त सामने होगी। इससे अनियमितता को आसानी से चिन्हित कर लिया जाएगा। क्लीनिक के पास क्या वैध दस्तावेज हैं, इसकी भी पुख्ता जानकारी मिलती रहेगी। कोई भी कमी पाए जाने पर संस्था को प्रतिबंधित किया जा सकेगा। इन केंद्रों के कर्मचारियों और बच्चों के जन्म की जानकारी भी मिलती रहेगी। सरकार इन नियमों को एक साथ लागू करने की बजाय चरणबद्ध अमल में लाएगी। वर्तमान कानून के अनुसार किसी अन्य महिला की कोख के प्रयोग की अनुमति तब मिलती है, जब कानून के अनुसार विवाहित जोड़ा शारीरिक रूप से अक्षम हो या फिर गर्भधारण करने में पत्नी की जान को खतरा हो। अर्थात इस हालात में वैवाहिक जोड़ा सरोगेसी मदर का साहरा ले सकता है। कानून के अनुसार यह भी बाध्यकारी शर्त है कि किराए की कोख देने वाली महिला विवाहित होनी चाहिए और कम-से-कम उसका एक बच्चा भी हो। साथ ही पति की आयु 26 से 55 वर्ष और पत्नी की आयु 23 से पचास वर्ष के बीच होना आवश्यक है।

किराए की कोख के कानून में परिवर्तन इसके बढ़ते अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने की दृष्टि से किया गया है। अब केवल निःसंतान दंपति जो बच्चे पैदा करने में शारीरिक रूप से अक्षम हैं, वे अपने किसी करीबी रिश्तेदार की मदद ले सकते हैं। इस सुविधा को कानूनी भाषा में ह्यअल्ट्रस्टिक सर्जरी सरोगेसीह्य कहा जाता है। भारत दुनिया के दंपतियों के लिए किराए की कोख का बड़ा व्यावसायिक नाभिकेंद्र बनता जा रहा है, जो सुविधा वास्तविक जरूरतमंदों के लिए शुरू की गई थी, वह अमीर दंपतियों के लिए शौक में तब्दील होती जा रही है। सूचना तकनीक के बाद भारत में प्रजनन का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इसमें किराए पर कोख दिए जाने का धंधा भी शामिल है। चिकित्सा पर्यटन के बहाने विदेशी पर्यटक भारत प्रसूति पर्यटन के लिए भी आ रहे हैं। भारत में किराए की कोख का कारोबार अरबों डॉलर का हो गया है लेकिन यह धंधा अंततः प्रकृति की प्रतिरूप महिला की कोख पर टिका है, ठीक उसी तरह जिस तरह, उदारवादी अर्थव्यवस्था प्रकृति के गर्भ में समाई खनिज संपदाओं के दोहन पर टिकी है। इस धंधे की भारी कीमत उन महिलाओं को चुकानी पड़ी है, जिन्हें अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए हर हाल में धन की जरूरत रहती है। अतएव 2016 में प्रजनन सहायक तकनीक विधेयक लाकर केंद्र सरकार ने इस गोरखधंधे पर अकुंश लगाने की पहल कर दी थी। जो एक सही कदम रहा है। लेकिन इस कानून से उन्हें परेशानी है, जिन्होंने स्त्री की आर्थिक कमजोरी को वस्तु में डालकर उसकी कोख को बाजार के हवाले कर दिया है। वे यह भी दलील दे रहे हैं कि कठोर कानून से विदेशी मुद्रा का आगमन रुक जाएगा। सरोगेसी मां बनने के लिए महिला को इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन की प्रक्रिया से गुजरना होता है। इसके लिय जैविक माता-पिता के शुक्राणु और अण्डाणु को परखनली में निषेचित करने के बाद जब भ्रूण पनप जाता है, तब उसे अन्य स्त्री की कोख में प्रत्यारोपित किया जाता है। गभार्धान का यही एकमात्र उपाय है। इसका शरीर पर विपरीत असर पड़ता है, इसके गर्भपात होने की 80 फीसदी आशंका रहती है। ऐसी 90 प्रतिशत प्रसूति शल्यक्रिया के जरिए होती हैं। ऐसे में महिला की जान का संकट भी बना रहता है। इस स्थिति में कोख किराए से देने वाली महिला का न तो कोई बीमा होता था, न ही उसके पति और बच्चों की कोई गारंटी लेता था। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी बड़ा सवाल था कि जैविक अविभावक यदि जन्म के बाद बच्चे को छोड़कर नौ-दो-ग्यारह हो जाते हैं तो उसके पालन-पोषण की जबावदेही किसकी थी? यदि नवजात शिशु विकलांग या ऐसी लाइलाज बीमारी के साथ पैदा होता है और जैविक माता-पिता उसे लेने से इनकार कर देते हैं तो उस बच्चे की जिम्मेदारी कौन लेता? ऐसी स्थिति में उन महिलाओं को और ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता था, जो किश्तों पर कोख किराए पर देती थीं। ऐसी ही सुविधाओं के चलते भारत में किराए की कोख वैश्विक राजधानी बन गया था। इस बाबत एक स्वयंसेवी संगठन के अध्ययन ने चौंकाने वाले सवाल भी उठाए थे। खासतौर से विदेशी धनवान जब किराए की कोख से संतान पाने के इच्छुक होते हैं तो वे भारत आकर एक साथ कई महिलाओं को गर्भधारण करा देते हैं। इनमें से कुछ महिलाओं में यह प्रयोग सफल हो जाता है तो वह किसी एक महिला को छोड़ बाकी का गर्भपात करा देते हैं। गर्भपात कराई गई महिलाओं को कोई धन भी नहीं दिया जाता था। यह सरासर अन्याय व अनैतिकता थी। इसी अध्ययन से खुलासा हुआ था कि कोख की कीमत कई हजार डॉलर है लेकिन इस राशि में से सरोगेसी मां को महज 1 या 2 प्रतिशत धनराशि ही बामुश्किल मिल पाती है। बाकी अस्पताल के चिकित्सक और बिचौलिये हजम कर जाते थे।

विकल्पहीनता का मतलब अराजक प्रदर्शन तो नहीं

नीति भी यही कहती है कि फोड़े को पकने से पहले फोड़ देना चतुराई है। शत्रु को जीवित छोड़ देना बुराई है। जब आंदोलन अपने चरम पर है और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उनके सरकारी आवास पर विरोध-प्रदर्शन किया, तब जाकर उन्होंने यह प्रतिक्रिया दी। जो प्रधानमंत्री हर परीक्षा से पहले छात्रों का मार्गदर्शन करते रहे हैं, इस मामले में उनकी अप्रत्याशित चुप्पी हैरान और परेशान तो करती ही है। भले ही उन्होंने बिना कुछ कहे नीट परीक्षा कैंसिल कराई और पुनः नीट परीक्षा कराई ,जिससे मेधावी छात्रों का नुकसान न हो।

पद बड़ा है या कद, इसे देखने के लिए विवेक की आंखें चाहिए। पद की अपनी मयार्दा होती है। पद व्यक्ति का कद देखकर मिलता है। योग्यता और दक्षता ही पद प्राप्ति के आधार बनते हैं। पद से केवल अधिकार ही नहीं मिलते, उससे जुड़े कर्तव्य भी निभाने पड़ते हैं। संविधान ने अगर व्यक्ति को मौलिक अधिकार दिए हैं तो नीति निर्देशक तत्वों की भी व्यवस्था दी है। राहुल गांधी और उनके साथी कांग्रेसियों ने जिस तरह प्रधानमंत्री आवास पर अराजक प्रदर्शन किया, उसकी जितनी भी आलोचना की जाए, कम होगी। प्रदर्शन कब और कहां किया जाए, इसका देश-दुनिया में क्या संदेश जाएगा, इस पर विचार मंथन तो होना ही चाहिए। बहस की जगह संसद है या सड़क इस पर राजनीतिक,

-सियाराम पांडेय 'शांत'

वैचारिक रोशनी तो पड़नी ही चाहिए। विरोध के लिए विरोध और सार्थक विरोध के बीच की रेखा तो दिखनी ही चाहिए, वर्ना अनावश्यक दबाव की राजनीति विकास के राजपथ को ध्वस्त कर देगी। अराजकता देश में सिर चढ़कर बोलने लगेगी और यह स्थिति किसी भी लिहाज से ठीक नहीं होगी।

राहुल गांधी ने कहा है कि वे कहां धरना देंगे, वह उनकी मर्जी है। उन्हें समझना होगा कि वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। विवेकहीन मनमर्जी का अधिकार तो किसी के भी पास नहीं है। वैसे भी राजनीति में कुछ भी सरल नहीं होता, उसे समझने के लिए पर्याप्त मगजमारी करनी पड़ती है फिर भी गुत्थी समझने का नाम नहीं लेती। इधर दिल्ली में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। यह आंदोलन नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने से जुड़ा है। इस लिहाज से यह आंदोलन छात्रों के व्यापक हित के सर्वथा अनुकूल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी यह मानना है कि पेपर लीक होने और परीक्षा में नकल महापाप है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर कुछ ऐसी नीति बनानी चाहिए जिससे इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। सत्य वचन है लेकिन यही बात वे पहले भी कह सकते थे।

नीति भी यही कहती है कि फोड़े को पकने से पहले फोड़ देना चतुराई है। शत्रु को जीवित छोड़ देना बुराई है। जब आंदोलन अपने चरम पर है और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उनके सरकारी आवास पर विरोध-प्रदर्शन किया, तब जाकर उन्होंने यह प्रतिक्रिया दी। जो प्रधानमंत्री हर परीक्षा से पहले छात्रों का मार्गदर्शन करते रहे हैं, इस मामले में उनकी अप्रत्याशित चुप्पी हैरान और परेशान तो करती ही है। भले ही उन्होंने बिना कुछ कहे नीट परीक्षा कैंसिल कराई और पुनः नीट परीक्षा कराई ,जिससे मेधावी छात्रों का नुकसान न हो। उन्होंने पेपर लीक और परीक्षा में शामिल नेटवर्क पर शिकंजा भी कसा है। कुछ लोग जेल भी भेजे गए हैं लेकिन प्रभावित छात्रों को सांत्वना के दो मीठे बोल कितनी राहत देते, यह किसी से छिपा नहीं है।

वैसे भी यह विचार का एक सिरा है लेकिन दूसरे सिरे को समझना बड़ा कठिन है। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी के जनक अभिजीत दीपके का भारतीय राजनीति में अकस्मात प्राकट्य भी बेहद रहस्यमय है। अभिजीत दीपके पहले से ही आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे हैं। वे उसका चुनाव प्रबंधन देखते रहे हैं। डिजिटली स्ट्रांग भी हैं। उन्होंने ऑनलाइन जनता से जोड़कर आम आदमी पार्टी को बड़ी ऊंचाई दी थी। फिलवक्त आम आदमी पार्टी के सितारे गर्दिश में हैं। वह अपने बलबूते नरेन्द्र मोदी को पटखनी नहीं दे पा रही थी। इसलिए उसने एक नए चेहरे की तलाश की, जिसके जरिए वह सत्ता की खोई जगह फिर वापस पा सके। जब सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने एक मामले में कॉकरोच जैसी टिप्पणी की तो दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी का लोगो बनाकर लोगों को चौंकाने का काम किया। आम आदमी पार्टी ने भी अपने लोगों के जरिए उस लोगो को सोशल मीडिया पर फैलाने का काम किया। दीपके का अपना नेटवर्क था ही। उसी बीच नीट का मामला उछल गया और आम आदमी पार्टी ने दीपके को अमेरिका से भारत बुला लिया। कहना न होगा कि पहले दिन से ही आम आदमी पार्टी और उसके नेता सीजेपी के आंदोलन को सपोर्ट कर रहे थे। कांग्रेस भी इस बात को जानती थी और भाजपा भी। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी खामोश रहे लेकिन उन्होंने छात्रों का अहित रोकने के लिए दोबारा परीक्षा कराई। पेपर लीक के खेल में शामिल कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस इस आंदोलन के खिलाफ थी। इस पर राहुल गांधी के पूर्व के बयान इस ओर इशारा भी करते हैं। यही वजह है कि राहुल गांधी ने जंतर-मंतर की बजाय प्रधानमंत्री के आवास के पास धरना दिया और शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के भी इस्तीफे की मांग की। इस आंदोलन में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी शामिल हुए। इससे इतना तो साफ है कि कांग्रेस इस बार आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर पंजाब विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ने जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन का समर्थन किया था लेकिन पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सत्ता की बाजी मार ले गई क्योंकि पंजाब के किसानों ने कांग्रेस से अधिक आम आदमी पार्टी पर भरोसा किया। जब प्रधानमंत्री मोदी को लगा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में विरोध का लोहा गर्म है तो उन्होंने अपनी बुद्धि का हथौड़ा बरसाने में एक पल भी जाया नहीं किया। अपने मंत्री जितेंद्र सिंह को राहुल से बातचीत के लिए भेज दिया। इससे आम आदमी पार्टी को जोर के झटके लगे। वह इस आंदोलन को कांग्रेस और भाजपा की जुगलबंदी करार देने लगी है।

आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को विफल करने के लिए पीएम मोदी ने राहुल गांधी को अपने आवास पर धरने पर बैठा दिया। आम आदमी पार्टी विधायक आतिशी ने तो यहां तक कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी और सोनम वांगचुक ने एक माह तक विरोध-प्रदर्शन किया। मोदी सरकार ने उनसे बातचीत से इनकार कर दिया। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध-प्रदर्शन की अनुमति मिली। एक घंटे में ही मोदी सरकार ने बातचीत शुरू कर दी, वाह कैसी जुगलबंदी। हालांकि इन हास्यास्पद आरोपों का कोई ठोस आधार नहीं है लेकिन मिथ्या आरोप की दीवार बनाने में आम आदमी पार्टी ने महारत हासिल कर ली है। वैसे भी कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को समर्थन देने के लिए मोदी विरोधी सभी ताकतें सक्रिय हो गई हैं। पार्टी के संसद मार्च को सपोर्ट करने के लिए शिवसेना उद्धव बाल ठाकरे के सांसद संजय राउत, अरविंद सावंत, राकांपा शप के मुखिया शरद पवार, उनकी बेटी सुप्रिया सुले, महुआ माजी, आम आदमी पार्टी नेता गोपाल राय और वामदलों के नेताओं की उपस्थिति यह बताने और जताने के लिए काफी है कि विपक्ष के पास विकल्पहीनता ही अब शेष बची है। भले ही वे यह सब प्रतियोगी छात्रों के हित के

एक रात में करोड़ों देवी-देवता बन गए थे पत्थर

भारत में कई ऐसे धार्मिक स्थल हैं, जो अपनी पौराणिक कथाओं और रहस्यमयी इतिहास के लिए प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक है उनाकोटी, जो त्रिपुरा राज्य के कैलाशहर के पास घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित है। यह स्थान अपनी विशाल पत्थर की मूर्तियों और भगवान शिव से जुड़ी अनोखी मान्यता के कारण देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अट्रैक्ट करता है।

भगवान शिव की चेतावनी और पत्थर बनने की कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव काशी की यात्रा पर जाते समय देवी-देवताओं के साथ इस स्थान पर रुके थे। रात में विश्राम करने से पहले उन्होंने सभी से कहा कि सूर्योदय से पहले उठकर यात्रा के लिए तैयार हो जाएं, लेकिन सुबह होने पर केवल भगवान शिव ही जागे। बाकी सभी देवी-देवता गहरी नींद में सोते रह गए। इससे क्रोधित होकर महादेव ने उन्हें पत्थर बन जाने का श्राप दे दिया और अकेले ही काशी के लिए रवाना हो गए। तभी से यह स्थान रहस्य और आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है।

क्यों खास है उनाकोटी?

'उनाकोटी' शब्द का अर्थ है 'एक करोड़ से एक कम', यानी 99,99,999। मान्यता है कि यहां चट्टानों और पत्थरों पर एक करोड़ से ठीक एक कम मूर्तियां उकेरी गई हैं। हालांकि इनकी वास्तविक संख्या को लेकर अलग-अलग मत हैं, लेकिन यह मान्यता इस जगह की सबसे बड़ी पहचान बन चुकी है।

उनाकोटी का सबसे बड़ा आकर्षण उनाकोटेश्वर काल भैरव की लगभग 30 फीट ऊंची विशाल शिलाकृति है। इसके अलावा यहां कई देवी-देवताओं, गणेश और अन्य पौराणिक आकृतियों की शानदार पत्थर की नक्काशियां देखने को मिलती हैं, जो प्राचीन भारतीय कला का अद्भुत उदाहरण मानी जाती हैं।

टिप्स

हड्डियां ही नहीं, पूरा शरीर देता है विटामिन डी की कमी के संकेत

शरीर में विटामिन डी की कमी का पता कैसे लगाएं? अक्सर जब लोगों के मन में यह सवाल उठता है तो टेस्ट करवाने का ही ख्याल आता है। लेकिन जरूरी नहीं है कि हर बार आपको टेस्ट करवाने की जरूरत ही पड़े। आपका शरीर खुद इस बात के संकेत देने लगता है। दरअसल, यह इम्यूनिटी, मांसपेशियों की ताकत, मूड, दिमाग और यहां तक कि हार्मोनल संतुलन को भी प्रभावित करता है। ऐसे में शरीर में आने वाले बदलाव ही आपको सबसे पहले इशारा दे देंगे।

भारत में बड़ी संख्या में लोगों में विटामिन डी की कमी पाई जाती है। इसकी वजह लंबे समय तक घर के अंदर रहना, सनस्क्रीन का अधिक इस्तेमाल, प्रदूषण, गहरी त्वचा का रंग और भोजन में विटामिन डी की सीमित मात्रा होना हो सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ संकेतों के बारे में बता रहे हैं-

छोटी-सी चोट भी ठीक होने में ज्यादा समय लगना

अगर छोटी-सी खरोंच लगने पर या फिर सामान्य घाव को भरने में भी जरूरत से ज्यादा समय लग रहा है, तो यह विटामिन डी की कमी का संकेत हो सकता है। दरअसल, विटामिन डी शरीर में नई स्किन बनने और घाव भरने की प्रक्रिया में मदद करता है। इसकी कमी होने पर घाव धीरे-धीरे भरते हैं।

बार-बार मुंह में छाले होना

अगर बिना किसी वजह के बार-बार मुंह में छाले हो रहे हैं, तो यह भी विटामिन डी की कमी से भी जुड़ा हो सकता है। विटामिन डी हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ-साथ इम्यून सिस्टम को संतुलित रखने में मदद करता है। इसकी कमी होने पर मुंह की अंदरूनी परत में सूजन बढ़ सकती है, जिससे बार-बार छाले बनने होने की संभावना बढ़ जाती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

विधिक जागरूकता व आउटरीच अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंजःझारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार , रांची के निदेर्शानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में संचालित 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के अंतर्गत आज साहिबगंज सदर प्रखंड परिसर में विधिक जागरूकता सह आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत व अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, विधिक सहायता एवं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर, महिलाएं, बच्चे, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्य, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, श्रमिक तथा अन्य पात्र व्यक्तियों को विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई

जाती है।

उन्होंने उपस्थित लोगों को लोक अदालत, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर योजना, महिला एवं बाल अधिकार, घरेलू हिंसा से संरक्षण, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार तथा टोल फ्री विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।अंचल अधिकारी श्री बासुकीनाथ टुडू ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों से योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अबुआ आवास योजना, राशन कार्ड, आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण-पत्र, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित अन्य जनहितकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम के दौरान 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि जिले के सभी पंचायतों एवं गांवों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं एवं विधिक सेवाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। जबकि विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत, अंचल अधिकारी श्री बासुकीनाथ टुडू एवं अन्य उपस्थित अधिकारियों द्वारा लाभुकों को परिसंपत्तियां प्रदान की गईं तथा उन्हें योजनाओं का समुचित लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। लाभुकों ने सरकार एवं प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उन्हें आवश्यक विधिक एवं प्रशासनिक परामर्श भी प्रदान किया गया। साथ ही पारा विधिक स्वयंसेवकों द्वारा विधिक जागरूकता संबंधी पंपलेट एवं सूचना सामग्री का वितरण

किशोरियों के अधिकार, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंजःजिला समाज कल्याण पदाधिकारी साहिबगंज के मार्गदर्शन में +2 उच्च विद्यालय, राधानगर, उधवा में किशोरियों के सर्वांगीण विकास, सुरक्षा सशक्तिकरण के उद्देश्य से व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना , डायन प्रथा उन्मूलन, डिजिटल साक्षरता, बाल संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम , गुड टचझबैड टच, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन , बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ , बाल विवाह मुक्त भारत और सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं एवं उद्देश्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। जबकि बालिकाओं को उनके अधिकारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल तस्करी की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की स्थिति में सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता एवं सेवाओं की जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम में प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए छात्राओं को इनका लाभ उठाने तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक एवं सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया।पर्यावरण संरक्षण एवं ₹एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में किशोरियों द्वारा पौधारोपण कराया गया। साथ ही छात्राओं के बीच मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। जिसमें जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी, संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख श्रीमती चंदा कुमारी, परियोजना समन्वयक, चाइल्ड हेल्पलाइन मो. इकबाल, कार्यक्रम अधिकारी, उ3 श्री खालिद हाशमी, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य, शिक्षकगण तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने छात्राओं को सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता एवं महिला सशक्तिकरण को समाज की प्रगति का आधार बताते हुए प्रत्येक बालिका को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा एक सशक्त एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया।

अवैध हथियार और संदिग्ध पदार्थ को बरामद

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा: थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध हथियार व दो अलग अलग संदिग्ध पदार्थ को बरामद करने में सफलता हासिल की है।मंगलवार को बरहरवा थाना कार्यालय में पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जानकरी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सिरासिंन गाँव की ओर से एक व्यक्ति टैम्पो में अवैध हथियार व अवैध प्रदार्थ लेकर आ रहे है,सूचना के आधार पर बरहरवा थाना पुलिस द्वारा वरीय पदाधिकारियों को सूचित करते हुए गश्ती दल एवं पुलिस चेकनाका फुटनीमोड में प्रतिनियुक्ति जवान को उक्त टैम्पू व व्यक्ति की तलाशी के निर्देश दिए गए पुलिस की तलाशी के दौरान एक देशी लोडेड पिस्टल,एक सफेद रंग के पदार्थ व एक गुलाबी रंग के पदार्थ को जब्त किया गया।पिस्टल एवं पदार्थों के सम्बंध में बैध दस्तावेजो की मांग की गई परन्तु व्यक्ति ने किसी भी प्रकार के कागजात प्रस्तुत नहीं किये न ही कोई संतोषजनक जवाब दे पाए।व्यक्ति की पहचान एकराम मोमिन पिता-ग्यासुद्दीन मोमिन पता-धरमडांगा पो.-बेवा थाना-फरक्का जिला-मुर्शिदाबाद के रूप में हुई है ।तत्पश्चात बरामद सामग्रियों को जब्त कर व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया।मामले को लेकर एकराम मोमिन के खिलाफ बरहरवा थाना कांड संख्या-194/26 धारा 25 -1बी ए 26/35 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी गई है।गिरफ्तार अभियुक्त ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की हकी।वहीं पुलिस ने बरामद पदार्थों की फोरेंसिक जाँच के साथ साथ अन्य विंदुओं पर गहन अनुसंधान शुरू कर दी है।छापेमारी दल में बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह,एएसआई जलेंद्र रजक,हव,धर्मेंद्र मड़ैया हव सुनिल टुडू सहित शाश्त्रबल शामिल थे।

राजमहल में सड़क चौड़ीकरण के विरोध में भू-धारियों ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल: श्रीकुंड आरसीडी से शिवापहाड़ आरसीडी तक प्रस्तावित 6.675 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के विरोध में मंगलवार को प्रभावित भू-धारियों के प्रतिनिधिमंडल ने राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सड़क के प्रस्तावित मार्ग में बदलाव की मांग की।ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित सड़क का निर्माण उपजाऊ तीन फसली सिंचित कृषि भूमि से होकर किया जा रहा है,जिससे बड़ी संख्या में किसानों की खेती,आजीविका और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि प्रारंभिक अधिसूचना में कई स्थानों को ग्रीन लैंड के रूप में चिह्नित किया गया है,जबकि वहां पहले से कोई सड़क मौजूद नहीं है।भू-धारियों ने बताया कि इस मामले को लेकर पूर्व में उपायुक्त,भू-अर्जन पदाधिकारी तथा कार्यपालक अभियंता से कई बार मुलाकात कर लिखित आवेदन भी सौंपा गया था। अधिकारियों द्वारा समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।इसी कारण एक बार फिर प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओ के समक्ष अपनी मांग रखी।ज्ञापन में भूमि अधिग्रहण,पुनर्वासन एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-10 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि बहुफसली कृषि भूमि का अधिग्रहण अंतिम विकल्प होना चाहिए।किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण के लिए ऐसा वैकल्पिक मार्ग चुना जाए,जिससे विकास कार्य भी बाधित न हो और किसानों की उपजाऊ कृषि भूमि भी सुरक्षित रहे।प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि वर्तमान एलाइनमेंट के अनुसार सड़क निर्माण होने पर कृषि उत्पादन,सिंचाई व्यवस्था,पेड़-पौधों तथा स्थानीय लोगों की आजीविका पर व्यापक असर पड़ेगा।इसलिए प्रशासन जनहित और किसान हित को ध्यान में रखते हुए परियोजना की दोबारा समीक्षा करे।ज्ञापन सौंपने के दौरान मोहम्मद फैसल,असगर आलम रफीकुल इस्लाम,गंगाधर यादव,श्याम पोद्दार सहित दर्जनों भू-धारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

डॉ प्रफुल्ल चंद्रे एक महान भारतीय रसायनशास्त्री शिक्षक व उद्योगपति थे : सुनील

संवाददाता

साहिबगंजः विद्या भारती विद्यालय,जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के वंदना कक्ष में डॉ प्रफुल्ल चंद्र रे की जयंती के उपलक्ष्य में विज्ञान सप्ताह का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने सरस्वती माता ओंकार व भारत माता के चित्र के दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।विज्ञान सप्ताह पर अपने संबोधन में सुनील पंडित ने बताया कि डॉ प्रफुल्ल चंद्र रे एक महान भारतीय रसायनशास्त्री शिक्षक व उद्योगपति थे।इन्होंने बंगाल केमिकल्स एन्ड फामेर्सीटीकल्स की स्थापना की जो भारत की पहली औषधि निर्माण कंपनी थी।आचार्य अमित कुमार ने बताया कि डॉ प्रफुल्ल चंद्रे ने स्वदेशी उद्योग और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया।वैज्ञानिक सोच और शोध कार्य को प्रोत्साहित किया।विज्ञान सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर विद्यालय के आचार्य अजय कुमार साह,अजीत मालवीय कल्याण भंडारी,संतोष कुमार दास,सोनू शर्मा,लिपिका राज सिंह,किरण कुमारी गुप्ता,निर्मला कुमारी,स्नेहा भारद्वाज,टीनू पाण्डेय,सोनी कुमारी नंदनी कुमारी, एवं विद्यालय के भैया/बहन उपस्थित थे।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गंगा डॉल्फिन के प्रमुख प्राकृतिक आवासों में से एक है : अमित

संवाददाता

साहिबगंज: विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, साहिबगंज में नमामि गंगे कार्यक्रम के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं नदी संवर्धन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण, जल संसाधनों के सतत उपयोग तथा नदियों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला परियोजना पदाधिकारी डीपीओ, नमामि गंगे, साहिबगंज अमित मिश्रा ने विद्यार्थियों को झारखंड में गंगा नदी के महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से साहिबगंज जिले में प्रवाहित गंगा नदी के पारिस्थितिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह क्षेत्र गंगा डॉल्फिन के प्रमुख प्राकृतिक आवासों में से एक है। साथ ही, यहां की समृद्ध जैव विविधता इसे पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से जल संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी, स्वच्छता बनाए रखने तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। जबकि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी बीईईओ तरुण कुमार ने विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं एवं प्रयासों तक सीमित विषय नहीं है। बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता एवं सामूहिक जिम्मेदारी से ही प्रकृति एवं पर्यावरण का संरक्षण प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जा सकता है।कार्यक्रम के अंतर्गत 'प्रकृति संरक्षण' एवं 'नदी' विषयों पर चित्रकला प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से स्वच्छ एवं निर्मल नदियों, हरित पर्यावरण, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत विकास का प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करना था। विद्यालय के श्री प्रवीण कुमार पीजीटी, इतिहास राजकुमार राम पीजीटी, भूगोल, राजू कुमार गोंड कला शिक्षक बी. झा टीजीटी, अंग्रेजी, रवि कुमार टीजीटी, हिंदी मोहम्मद अशरफ पीजीटी, जीवविज्ञान प्रिया भारती शारीरिक शिक्षा शिक्षिका, उन्नति भारती सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा प्रकृति, पर्यावरण एवं जल संसाधनों के संरक्षण के लिए अपनी सक्रिय भूमिका निभाने तथा स्वच्छ एवं हरित भविष्य के निर्माण में योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

न्यूज IN ब्रीफ

भेलवाटांड को मिली नई सड़क की सौगात

विधायक डॉ. नीरा यादव ने 1.020 किमी सड़क निर्माण का किया शिलान्यास

कोडरमा/मेट्रो रेज संवाददाता : (डोमचांच) मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल कोडरमा द्वारा 1.6 करोड़ की लागत से डोमचांच प्रखंड के ग्राम भेलवाटांड में राजू यादव के घर से देवी मंडप एवं श्मशान घाट होते हुए उत्क्रमित विद्यालय घरबरियाबर तक 1.020 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का बुधवार को विधायक डॉ. नीरा यादव ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीण लंबे समय से सड़क और जलजमाव की समस्या से परेशान थे। घनी आबादी होने के कारण आवागमन में कठिनाई होती थी तथा बरसात के दिनों में सड़क पर पानी जमा रहने से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने वाली यह सड़क ग्रामीणों के लिए राहत साबित होगी और आवागमन सुगम होने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने का कार्य कर रही है। मौके पर संवेदक दिनेश कुमार मेहता, राजू मेहता, मधुबन मुखिया प्रवीण कुमार, बेहराडीह मुखिया खुशबू कुमारी, पंकज यादव, मुकेश यादव, मुखिया प्रतिनिधि अशोक यादव, पंचायत समिति सदस्य विनय कुमार मोदी, मंडल अध्यक्ष सुनील भारती, मंडल महामंत्री पारिजात सिंह, नवीन कुमार, महेश वर्मा, अरुणउदय सिंह, रंजन राय सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

धन्नालाल लोहिया के प्रेरणादायी व्यक्तित्व कृतित्व को स्मरण करना है

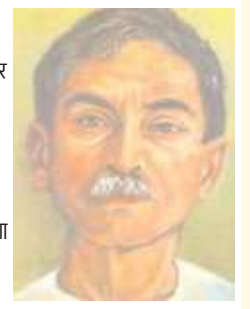

साहिबगंज:शहर की प्रतिष्ठित संस्था अनन्त कुमार सरस्वती सदन अपने स्थापना के प्लैटिनम जुबिली वर्ष 1951झ2026 के अवसर पर एक विशेष समारोह का आयोजन करने जा रही है।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्था की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, ज्ञान-संस्कृति के संरक्षण में उसके योगदान और संस्थापक श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया के प्रेरणादायी व्यक्तित्व कृतित्व को स्मरण करना है।आयोजकों ने बताया कि एक अमर स्मृति एक गौरवशाली विरासत विषय पर आयोजित इस समारोह में श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया के समाजसेवा,शिक्षा और सांस्कृतिक उत्थान में दिए गए योगदान को याद किया जाएगा।उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है और आज भी उनकी सोच नई पीढ़ी को ज्ञान व सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।संस्था के अनुसार,भारतीय संस्कृति में ज्ञान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। और पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं बल्कि समाज की चेतना, संस्कृति और बौद्धिक विरासत के संवाहक होते हैं।इसी उद्देश्य के साथ स्थापित अनन्त कुमार सरस्वती सदन पिछले 75 वर्षों से साहिबगंज में ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित करते हुए साहित्य शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया का जन्म उत्तर प्रदेश के हाथरस के एक प्रतिष्ठित व संस्कारित मारवाड़ी परिवार में हुआ था।बाल्यकाल में वे अपने पिता मटरूमल लोहिया के साथ साहिबगंज आए जहाँ उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई और बाद में उन्होंने समाज के शैक्षणिक सांस्कृतिक विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया।इस प्लैटिनम जुबिली समारोह के मुख्य अतिथि साहिबगंज के उपायुक्त दीपक कुमार दुबे होंगे।कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिक शिक्षाविद साहित्यकार, समाजसेवी तथा विभिन्न क्षेत्रों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।समारोह के दौरान संस्था की 75 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा व संस्थापक श्रद्धेय धन्नालाल जी लोहिया को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

कंडसार पंचायत सचिवालय जाने वाली सड़क का बांध टूटा, आवागमन बाधित

कटकमसांडी : पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश के कारण कंडसार पंचायत सचिवालय के पास सड़क का बांध टूटने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी को देखते हुए कंडसार पंचायत के मुखिया वीणा देवी और विधायक प्रतिनिधि रामकुमार मेहता ने उसकी जानकारी सदर विधायक प्रदीप प्रसाद को दी ।
सड़क की मरम्मत की प्रक्रिया जिसके बाद विधायक ने ग्रामीणों की समस्या का त्वरित निष्पादन करने के लिए उन्होंने अपने निजी खर्च से सबसे पहले सड़क के टूटे हुए बांध को मरम्मत कराकर आवागमन को शुरू कराया । इसके बाद उन्होंने कहा है कि सरकारी प्रक्रिया के तहत इस सड़क के बांध को मजबूती के साथ नवनिर्माण कराया जायेगा । ताकि लोगों को आने जाने में किसी भी प्रकार से परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि एक दूसरे गांव को सड़क सुविधा उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता है ।
ग्रामीणों की समस्याएं : इस परिस्थिति में उन्होंने सरकारी प्रक्रिया में देरी होने की वजह से अपने निजी खर्च से सड़क मार्ग को ठीक कराया । बताया जाता है कि पिछले कुछ दिनों पहले कंडसार पंचायत सचिवालय जाने वाला मुख्य मार्ग प्रभावित हो गया था। रास्ता बंद होने से लोगों और वाहनों की आवाजाही रुक गई थी। ग्रामीणों का पंचायत सचिवालय से संपर्क टूट गया था। जिसके कारण लोगों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से वंचित होना पड़ रहा था।

ओल्ड एज होम में विधिक जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हजारीबाग : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग के बैनर तले 90 दिवसीय कानूनी जागरूकता सह आउटरीच कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रधान जिला न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग ध्रुव चन्द्र मिश्रा के दिशा निर्देश में चलाया जा रहा है। इसी के तहत मंगलवार को ओल्ड एज होम हजारीबाग में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डीएलएसए, सचिव डॉ रवि प्रकाश तिवारी उपस्थित हुए एवं लोगों को कानून से संबंधित जानकारी दिए। साथ ही वरिष्ठ जनों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाली सुविधाओं के बारे मे विस्तार पूर्वक बतलाया गया। इसी के तहत लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव डॉ रवि प्रकाश तिवारी के द्वारा नम्बर 15100 के बारे मे जानकारी दिया गया। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा टॉल फ्री हेल्पलाइन नंङ्ग है, जिसके माध्यम से लोग घर बैठे नि:शुल्क कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जागरूकता कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ जनों के बीच इलेक्ट्रिक साइकिल एवं स्टिक आदि वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में केयर टेकर सनथ कुमार एवं कई वरिष्ठजन सहित अधिकार मित्र विकास कुमार पांडेय एवं कोर्ट कर्मचारी छोटू राम उपस्थित थे।

पारिवारिक विवाद में मारपीट दो भाई घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के चंदन गांव में पारिवारिक विवाद को लेकर भाइयों के बीच मारपीट हो गई। घटना में कैलाश मंडल सहित उनके एक अन्य भाई के घायल होने की जानकारी है।इस संबंध में कैलाश मंडल, पिता स्वर्गीय बसंत मंडल ने जिरवाबाड़ी थाना पहुंचकर अपने ही भाई दिनेश मंडल के विरुद्ध मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है।जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि कैलाश मंडल के आवेदन पर दिनेश मंडल के विरुद्ध जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 135/26 दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बंद मकान का दरवाजा तोड़कर चोरी, नकदी समेत सामान ले गए चोर

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के गैस गोदाम निवासी अरविंद पासवान के बंद मकान का दरवाजा तोड़कर अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया इस संबंध में अरविंद पासवान, पिता राजेंद्र पासवान ने जिरवाबाड़ी थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है शिकायत में उन्होंने बताया कि सोमवार की देर रात उनका मकान बंद था इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और घर में रखे सामानों की चोरी कर ली।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने रयान टेन डोशेट को बनाया हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी

एजेंसी

कोलकाता : नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स ने अपने पूर्व खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के अहम सदस्य रहे रयान टेन डोशेट को हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रैटेजी नियुक्त किया है। इस नई भूमिका में वह नाइट राइडर्स समूह की वैश्विक फ्रेंचाइजी. के लिए क्रिकेट रणनीति, प्रतिभा की पहचान, खिलाड़ी भर्ती और विकास का नेतृत्व करेंगे। रयान टेन डोशेट स्काउटिंग, खिलाड़ी चयन, टीम संयोजन और प्रदर्शन मूल्यांकन की रणनीति तैयार करेंगे। साथ ही वह विभिन्न फ्रेंचाइजी. के कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पूरे नाइट राइडर्स नेटवर्क में एक समान क्रिकेट दर्शन और कार्यशैली

विकसित करने पर काम करेंगे। नई जिम्मेदारी के तहत वह त्रिनबागो नाइट राइडर्स (कैरेबियन प्रीमियर लीग), अबू धाबी नाइट राइडर्स (आईएलटी20) और लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स (मेजर लीग क्रिकेट) के सहायक कोच की भूमिका भी निभाएंगे। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने बुधवार को फ्रैंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि रयान का परिवार में दोबारा स्वागत करते हुए उन्हें बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि नाइट राइडर्स की क्रिकेट संस्कृति की उनकी गहरी समझ और अंतरराष्ट्रीय व फ्रेंचाइजी क्रिकेट का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है। उनके नेतृत्व में नाइट राइडर्स नेटवर्क के विकास को नई दिशा मिलेगी। अपनी नियुक्ति पर रयान टेन डोशेट ने कहा कि वह एक बार फिर नाइट राइडर्स परिवार से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह विभिन्न वैश्विक फ्रेंचाइजी. की कोचिंग और विश्लेषण टीमों के साथ मिलकर स्काउटिंग, खिलाड़ी विकास प्रणाली को मजबूत करने और दीर्घकालिक क्रिकेट रणनीति तैयार करने का शानदार अवसर है। रयान टेन डोशेट का नाइट राइडर्स के साथ सफर 2011 में खिलाड़ी के रूप में शुरू हुआ था। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की 2012 और 2014 की आईपीएल विजेता टीम के सदस्य रहे। इसके बाद 2022 में वह कोचिंग समूह का हिस्सा बने और 2024 में टीम की तीसरी आईपीएल खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रमंडल खेल: हरजिंदर कौर ने भारोत्तोलन में जीता रजत पदक

ग्लासगो : भारतीय भारोत्तोलक हरजिंदर कौर ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को महिलाओं के 69 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। हरजिंदर ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क के सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए और कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। स्नैच स्पर्धा में हरजिंदर ने 96 किलोग्राम से शुरूआत की और इसके बाद 99 किलोग्राम तथा 101 किलोग्राम वजन भी सफलतापूर्वक उठाया। स्नैच में 101 किलोग्राम के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ वह कनाडा की शार्लोट सिमोनो के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। सिमोनो ने 108 किलोग्राम वजन उठाकर बढ़त बनाई थी। क्लीन एंड जर्क में भी हरजिंदर ने अपनी शानदार लय बरकरार रखी। उन्होंने पहले प्रयास में 120 किलोग्राम, दूसरे में 123 किलोग्राम और अंतिम प्रयास में 126 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। इस तरह उन्होंने स्नैच में 101 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 126 किलोग्राम सहित कुल 227 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया। कनाडा की शार्लोट सिमोनो ने 240 किलोग्राम (108 किलोग्राम स्नैच और 132 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) के राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

'दुल्हनिया ले आएगी' रिव्यू:

कॉमेडी और फैमिली ड्रामा से भरपूर, दर्शकों को पसंद आएगी यह शादी वाली कहानी

फिल्म: दुल्हनिया ले आएगी, स्टार कास्ट: महेश मांजरेकर, पीयूष मिश्रा, खुशाली कुमार, ओमकार कपूर, स्नेहिल दीक्षित मेहरा (बीसी आंटी), निर्देशक: आकाशादित्य लामा, रिलीज डेट: 24 जुलाई 2026, कहां देखें: सिनेमाघरों में, अवधि: 2 घंटे 7 मिनट, रेटिंग: 3.5/5 ऐसे समय में, जब बॉलीवुड में शादी पर आधारित कॉमेडी फिल्मों की भरमार है, 'दुल्हनिया ले आएगी' अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रही है। फिल्म का टाइटल भले ही 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'हम्टी शर्मा की दुल्हनिया', 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' या 'दुल्हन हम ले जाएंगे' जैसी फिल्मों की याद दिलाता हो, लेकिन इसकी कहानी पूरी तरह नई है। यह फिल्म कॉमेडी, फैमिली ड्रामा और रोमांस का ऐसा मेल पेश करती है, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। कहानी नव्या (खुशाली कुमार) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 32 साल की हो चुकी है और समाज के लगातार पूछे जाने वाले सवाल- 'शादी कब करोगी?' से परेशान है। लंबे समय तक शादी से बचने के बाद आखिरकार वह शादी के लिए हामी भर देती है। लेकिन जैसे ही सब कुछ ठीक होने लगता है, हालात अचानक उलझ जाते हैं। एक के बाद एक कई दूल्हे उसकी जिंदगी में दस्तक देने लगते हैं, गलतफहमियां बढ़ती जाती हैं और जो शादी एक आसान सफर लग रही थी, वह पूरी तरह अप्रत्याशित घटनाओं में बदल जाती है। आखिर असली दूल्हा कौन है? गड़बड़ कहां हुई? और नव्या की कहानी किस मोड़ पर जाकर खत्म होगी? इन सवालों के जवाब फिल्म आखिर तक संभालकर रखती है, जिससे दर्शकों की दिलचस्पी लगातार बनी रहती है। निर्देशक आकाशादित्य लामा एक मनोरंजक कहानी पेश करने में सफल रहे हैं। एक लेखक और निर्देशक होने का उनका अनुभव फिल्म के हर हिस्से में नजर आता है। उन्होंने किरदारों को बेहद शानदार तरीके से दिखाने की कोशिश की है और कहानी की रफ्तार कहीं भी धीमी नहीं पड़ने दी। फिल्म के ट्विस्ट कहानी का स्वाभाविक हिस्सा बनकर सामने आते हैं। वहीं हास्य भी बनावटी नहीं, बल्कि परिस्थितियों से निकलकर आता है। 2 घंटे 7 मिनट की अवधि होने के बावजूद फिल्म कहीं भी लंबी या बोझिल महसूस नहीं होती। तकनीकी पक्ष की बात करें तो 'दुल्हनिया ले आएगी' मनोरंजक वेडिंग एंटरटेनर है। सिनेमैटोग्राफी शादी के माहौल की भव्यता और रंगों को खूबसूरती से पर्दे पर उतारती है। एडिटिंग कहानी को कसकर बांधे रखती है, जबकि प्रोडक्शन डिजाइन, कलर पैलेट और बैकग्राउंड स्कोर फिल्म के खुशमिजाज माहौल को और मजबूत बनाते हैं। डायलॉग्स भी फिल्म की बड़ी ताकत हैं, जो दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं।

'जन नायकन' देखकर रोईं अभिनेत्री आनंदी

तमिल टीवी एक्ट्रेस आनंदी अजय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह रो रही हैं। उन्हें पता चला कि थलपति विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' से उनके सीन हटा दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में आनंदी रोते हुए बता रही हैं कि उन्होंने एक ऐसा मौका गंवा दिया, जिसे वह अपने करियर के लिए अहम मानती थीं। आनंदी के मुताबिक, वह लगभग एक साल से फिल्म 'जन नायकन' से जुड़ी हुई थीं। वह विजय के साथ स्क्रीन शेयर करने का बेसब्री से इंतजार कर रही थीं। उनका यह रिएक्शन तब आया, जब 'जन नायकन' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग की। वीडियो में तमिल भाषा में बात करते हुए आनंदी ने कहा कि जब उन्हें पता चला कि फिल्म के फाइनल कट से उनके हिस्से हटा दिए गए हैं, तो उनका दिल टूट गया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें शायद विजय के साथ काम करने का दोबारा मौका न मिले, क्योंकि माना जा रहा है कि 'जन नायकन' उनकी आखिरी फिल्म है। सोशल मीडिया पर इस वीडियो पर लोगों ने प्रतिक्रिया दी है। कई यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में उनका समर्थन किया है। एक यूजर ने लिखा 'तुम्हें जल्द ही एक बहुत अच्छा लीड रोल मिलेगा, सब कुछ किसी वजह से होता है, पॉजिटिव रहो।' दूसरे ने कमेंट किया, 'यह सुनकर बहुत बुरा लगा, लेकिन चिंता मत करो, तुम्हें कुछ अच्छा जरूर मिलेगा।'

टीवी सबसे बड़ा स्कूल है

● लोग इसे कम क्यों समझते हैं?' निहारिका चौकसे ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने को दिए इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। से बात करते हुए निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है।

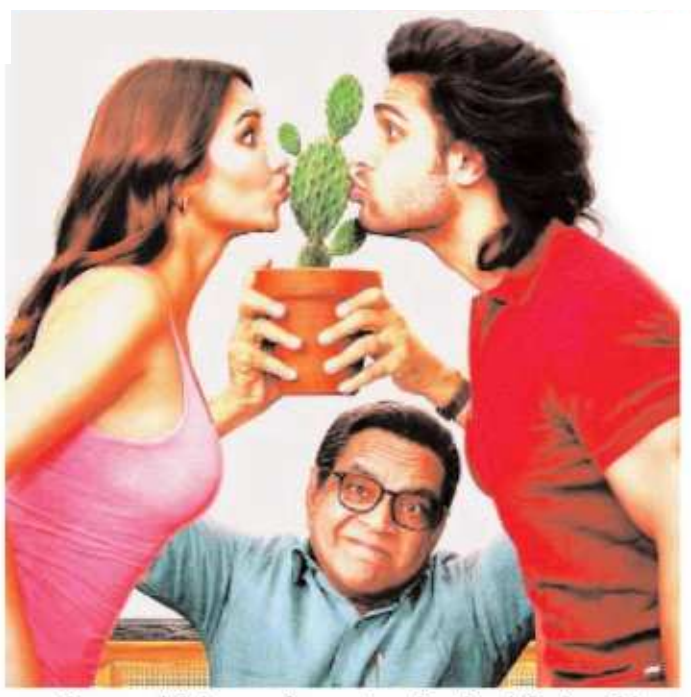

मिलाप जावेरी ने अमन और आकांक्षा की तारीफ में लिखे कसीदे-

आपके टैलेंट को कोई रोक नहीं सकता

निर्देशक मिलाप जावेरी की फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' से अभिनेता अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा हिंदी सिनेमा की दुनिया में कदम रखा है। शुक्रवार को निर्देशक ने सोशल मीडिया के माध्यम से दोनों कलाकारों की जमकर तारीफ की और साथ काम करने पर गर्व जताया। निर्देशक मिलाप जावेरी ने इंस्टाग्राम पर अमन और आकांक्षा के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'प्रिय अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा, मुहूर्त से लेकर फिल्म के प्रीमियर तक, हमने जो साथ में सफर तय किया है, वह अब अपनी आखिरी मंजिल तक पहुंच गया है।

आज हमारी फिल्म रिलीज हो गई है। मैंने कई फिल्में बनाई हैं और कई बेहतरीन कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन अपनी पहली ही फिल्म में आप दोनों ने भावनाओं, ड्रामा, रोमांस, कॉमेडी, एक्शन और डांस में जो कमाल दिखाया है, उसे देखकर मुझे जितनी खुशी और गर्व महसूस हो रहा है, वह खास है। आप दोनों में इतना टैलेंट और अपने काम के प्रति ईमानदारी है कि कोई भी मुश्किल आपको सफलता की राह से नहीं रोक सकती।' उन्होंने आगे लिखा, 'फिल्म तेरा यार हूं मैं का भविष्य चाहे जो हो, लेकिन हमारे साथ बिताए गए पल और जो जादू मिलकर बनाया है, वह हमेशा खास रहेगा। हिट, फ्लॉप, तारीफ या आलोचना ये सब इस पेशे का हिस्सा हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आप दोनों के पास वह चीज है जिसका सपना हर अभिनेता देखता है।

आप दोनों पहले से ही फिल्म स्टार हैं। अब अपना पॉपकॉर्न लीजिए और इस सफर का आनंद उठाइए, क्योंकि आप दोनों लोगों के दिलों को लंबे समय तक जीतते रहेंगे। मिलाप जावेरी ने दोनों कलाकारों पर भरोसा और गर्व जताते हुए लिखा, 'मुझे इस बात की खुशी है कि आप दोनों को लॉन्च करने और निर्देशक करने का मौका मिला। यह तो बस आपकी शानदार कहानियों की शुरुआत है।

पिक्चर अभी बाकी है मेरे यार। तेरा यार हूं मैं अब सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है, लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात यह है कि अमन और आकांक्षा अब सिनेमाघरों में दिखेंगे।

अर्चना पूरन सिंह ने होने वाली बहुओं को लेकर कही दिल की बात

'अब मेरे दो बेटे ही नहीं दो बेटियां भी हैं'

अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह अक्सर सोशल मीडिया और अपने व्लॉग्स के जरिए परिवार के साथ बिताए खास पलों को फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अब उन्होंने अपनी होने वाली बहुओं योगिता बिहानी और समीक्षा शेट्टी के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है।

अभिनेत्री ने बताया कि वह दोनों को बहू नहीं बल्कि अपनी बेटियों की तरह मानती हैं और उनके साथ उनका रिश्ता बेहद खास है। अर्चना पूरन सिंह ने कहा, 'अपने बेटों की पसंद को अपनाना मेरे लिए कोई मुश्किल काम नहीं है। जब बच्चे किसी को अपना जीवनसाथी चुनते हैं, तो माता-पिता को भी खुले दिल से उसे परिवार का हिस्सा स्वीकार करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''एक कहावत है कि आपके साथ जो हुआ, आप भी वैसा ही करते हैं। लेकिन एक सोच यह भी है कि जो आपके साथ हुआ, वह आप कभी किसी और के साथ नहीं करेंगे। मैं दूसरी सोच में विश्वास करती हूं।

अगर बहू के रूप में मेरे साथ कभी कुछ गलत हुआ, तो मैं नहीं चाहूंगी कि मेरी बहुओं के साथ भी वैसा ही हो।'' अर्चना ने आगे कहा, ''पहले मेरे दो बेटे थे, लेकिन अब मेरी दो बेटियां भी हैं। अगर आप इस नजरिए से सोचेंगे, तो किसी तरह का फर्क महसूस ही नहीं होगा।'' उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे महान कहें। स्क्रीन पर या असल जिंदगी में... आप जो मुझे देखते हैं, मैं वैसी ही हूं। मैं अपनी होने वाली बहुओं के साथ भी वैसे ही पेश आती हूं। इसमें कोई महानता नहीं है। अगर आप एक अच्छे इंसान हैं, तो आपका व्यवहार भी ऐसा ही होगा। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसके लिए मुझे अलग से सराहना मिलनी चाहिए।'' उन्होंने समाज में सास की बनी हुई छवि पर भी अपनी राय रखी। अर्चना ने कहा, ''टीवी सीरियल्स की वजह से अक्सर सास को नकारात्मक रूप में दिखाया जाता है, जबकि असल जिंदगी इससे काफी अलग है।

कुणाल के बयान पर अभिनेत्री मन्नारा बोलीं-

सिर्फ छात्रों से जुड़े मुद्दों पर हो चर्चा

अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के जंतर-मंतर पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे मंचों का इस्तेमाल किसी खास धर्म या विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। मन्नारा ने कुणाल कामरा के 'सीता के पति' वाले बयान पर कहा, 'इस तरह के मंचों का इस्तेमाल किसी एक धर्म को बढ़ावा देने या किसी खास विचारधारा की बात करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। वहां छात्रों से जुड़े मुद्दों पर ही चर्चा होनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'आपको सिर्फ उन्हीं मुद्दों पर बात करनी चाहिए, जिनसे आपका वास्तव में संबंध है। लेकिन इसके बजाय इस बात पर चर्चा हो रही है कि किस निर्माता, निर्देशक या अभिनेता ने सोनम वांगचुक के बारे में क्या कहा। मैं इस पर अपनी राय नहीं देना चाहती और इसकी जरूरत भी नहीं है, क्योंकि यह उनका निजी मामला है। यहां असली मुद्दा छात्रों से जुड़ा है। मेरा मानना है कि चर्चा उसी विषय पर होनी चाहिए और ध्यान दूसरे मुद्दों की ओर नहीं भटकना चाहिए।' गौरतलब है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक के समर्थन में आयोजित प्रदर्शन के दौरान स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, 'ये सरकार सीता के पति का नाम ले-लेकर नीता के पति का काम कर रही है।' इस बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया और सुप्रीम कोर्ट की एक अधिवक्ता ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने किया महायोगी गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

- योगी ने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजनों की भी पूजा की

एजेंसी

गोरखपुर : गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर बुधवार प्रातः काल गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यहनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, योगिराज बाबा गंभीरनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजन का भी विधि विधान से पूजा की। गोरक्षपीठाधीश्वर ने भगवान गोरखनाथ और अन्य गुरुजन को श्रद्धा निवेदित कर लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए भावपूर्ण कृतज्ञता व्यक्त की की। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान प्रातः काल से ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। वैसे तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं, गुरु गोरखनाथ जी तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन-पूजन उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा होता है। पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है। बुधवार को गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गोरखनाथ, मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी विशिष्ट पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी-बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद भी अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया संपन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत सामूहिक आरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई।

हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर : गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पर्व संबंधी आनुष्ठानिक कार्यक्रम की व्यस्तता के बावजूद जनता दर्शन का आयोजन किया। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। लोगों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित किया जाए। बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पूजन के बाद गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। लोगों के प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

मानसून की दगाबाजी, निजी बोरिंग के सहारे जैसे-तैसे धान की बुआई करने को मजबूर किसान

भागलपुर : जिले में इस वर्ष मानसूनी बारिश में भारी कमी देखी जा रही है, जिसने सीधे तौर पर खरीफ सीजन की खेती को संकट में डाल दिया है। जिले के अधिकांश क्षेत्रों में मानसून की सुस्ती के कारण धान की बुआई और रोपनी का काम पूरी तरह प्रभावित हुआ है। आसमान में छिटपुट बादलों की आवाजाही के बीच किसान टकटकी लगाए बैठे हैं, लेकिन पर्याप्त बारिश न होने से अधिकतर खेत सूखे और खाली पड़े हैं। भागलपुर जिले के गोराडीह, जगदीशपुर, पिरपैंती और कहलगांव सहित अन्य प्रखंडों की कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। इन इलाकों के खेतों में जहाँ इस समय धान की हरी-भरी पौध और पानी लबालब होना चाहिए था, वहाँ आज खेत सूखे पड़े हैं। खेतों में नमी की कमी के कारण धान के बिचड़े भी सूखने की कगार पर पहुँच गए हैं। इस भीषण जल संकट के बीच सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। वर्तमान में जिस किसान के पास निजी बोरिंग या पंपिंग सेट की सुविधा है, वे जैसे-तैसे पानी का इंतजाम कर धान की बुआई और रोपनी कर रहे हैं। हालांकि, बिजली की आंख-मिचौनी और महंगे डीजल के कारण कृत्रिम रूप से सिंचाई करना हर किसान के बस की बात नहीं रह गई है, जिससे खेती की लागत दोगुनी हो चुकी है। खेती की इस बदहाली और सूखे की स्थिति पर जगदीशपुर के किसान राजकुमार पंजियारा ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इस साल मानसून ने हमें पूरी तरह निराश किया है। हमारे पास सरकारी सिंचाई का कोई पुख्ता साधन नहीं है। जिनके पास निजी बोरिंग है, वे तो दिन-रात पैसे फूंककर किसी तरह खेत गीला कर रहे हैं, लेकिन हम जैसे छोटे किसान क्या करें? डीजल इतना महंगा है कि अगर पंप चलाकर जैसे-तैसे धान रोप भी दें, तो आगे फसल बचाने के लिए पानी कहाँ से लाएंगे? बिना बारिश के खेती करना घाटे का सौदा साबित हो रहा है। अगर जल्द ही अच्छी बारिश नहीं हुई, तो हमारी पूरी मेहनत और पूंजी डूब जाएगी और हमारे सामने भुखमरी की नौबत आ जाएगी। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों के भीतर भागलपुर और इसके आस-पास के प्रखंडों में मूसलाधार बारिश नहीं होती है, तो धान के कुल उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है। समय पर रोपनी न होने से फसल की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। खेतों के खाली रह जाने और काम न मिलने के कारण ग्रामीण इलाकों से कृषक मजदूरों का पलायन भी तेजी से बढ़ सकता है। अब किसानों की एकमात्र उम्मीद केवल सरकार द्वारा मिलने वाले डीजल अनुदान, वैकल्पिक आकस्मिक फसल योजनाओं और इंद्र देव की दया पर टिकी हुई है।

जापान में भूकंप प्रभावित कुमामोटो प्रांत के शॉपिंग सेंटर में धमाका, दो महिलाओं की मौत

टोक्यो (जापान) : देश के दक्षिण-पश्चिमी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोटो प्रांत में मंगलवार शाम 4:27 बजे आए शक्तिशाली भूकंप के बाद एक शॉपिंग सेंटर में हुए धमाके में दो महिलाओं की मौत हो गई। एक महिला बेसुध अवस्था में मिली है। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार सुबह यह जानकारी दी। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.1 रिकार्ड की गई। धमाके का कारण गैस रिसाव माना जा रहा है। प्रांतीय सरकार के अनुसार, शुरूआत में घटनास्थल पर 10 लोग लापता बताए गए। जापान टुडे अखबार के अनुसार, रक्षामंत्री शिनजिरो कोइजुमी ने कहा कि आपदा प्रभावित इलाके में लगभग 3,600 सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज (एसडीएफ) कर्मियों को तैनात किया गया है। यह विस्फोट प्रमुख शॉपिंग सेंटर 'आयन मॉल कुमामोटो' में हुआ। इस मॉल का संचालन करने वाली कंपनी 'आयन' ने बताया कि भूकंप के बाद कर्मचारियों और ग्राहकों को शॉपिंग सेंटर से बाहर निकालने के बाद धमाका हुआ। प्रांतीय पुलिस ने बताया कि धमाके से पहले लगभग 200 लोग बाहर निकल चुके थे। फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, आशंका है कि दूसरी मंजिल ढहने के बाद कई अन्य लोग इमारत के अंदर फंसे हो सकते हैं। यह मॉल कुमामोटो शहर के ठीक बाहर स्थित है। टोक्यो के पूर्व में चिबा स्थित मुख्यालय में 'आयन' के एक प्रवक्ता ने कहा कि मॉल की छतें और दीवारें ढह गईं। प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के अनुसार, देश के दक्षिण-पश्चिम में आए भूकंप से इमारतें ढह गईं और आग लग गई। कम से कम 50 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। ताकाइची ने कहा कि संपत्ति के नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, रकुछ इलाकों में बिजली गुल है और आग लगी है। साथ ही सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं और इमारतें ढह गई हैं।र जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि इसके बाद एक मीटर (तीन फीट) तक की संभावित सुनामी के लिए अलर्ट जारी किया गया लेकिन शाम करीब 6:10 बजे चेतावनी वापस ले ली गई। परमाणु नियामक प्राधिकरण ने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में तत्काल कोई असामान्य बात दर्ज नहीं की गई। स्थानीय यूटिलिटी कंपनी क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर के अनुसार, कुमामोटो क्षेत्र में लगभग 45,000 घरों और सुविधाओं में बिजली नहीं है। सनद रहे, जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर के पश्चिमी किनारे पर चार बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों के ऊपर स्थित है। लगभग 12.5 करोड़ लोगों की आबादी वाले इस द्वीप समूह में हर साल सैकड़ों झटके महसूस किए जाते हैं और दुनिया के कुल भूकंपों में से लगभग 18 प्रतिशत यहीं आते हैं। जापान को 2011 में आए 9.0 तीव्रता के भूकंप की याद आज भी डराती है। इस आपदा में लगभग 18,500 लोग मारे गए या लापता हो गए थे। फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट तबाह हो गया था।

हिमाचल की दो सड़क परियोजनाओं के लिए केंद्र से 239 करोड़ रुपये मंजूर

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश को वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) के तहत सड़क परियोजनाओं के लिए 239.45 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी मिली है। यह मंजूरी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राज्य की दो महत्वपूर्ण सड़क उन्नयन परियोजनाओं के लिए दी है। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह मंजूरी राज्य सरकार और लोक निर्माण विभाग के लगातार प्रयासों का परिणाम है। इन परियोजनाओं को मंजूरी दिलाने के लिए राज्य सरकार ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में मंत्रालय की ओर से मिली मंजूरी का स्वागत किया। मंजूर की गई परियोजनाओं में छैला-नेरीपुल-यशवंत नगर-कुमारहट्टी सड़क के उन्नयन के लिए 203.52 करोड़ रुपये और टिक्कर-जरोल-खमाड़ी सड़क के शेष 16 किलोमीटर हिस्से के उन्नयन के लिए 35.93 करोड़ रुपये शामिल हैं। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि टिक्कर-जरोल-खमाड़ी सड़क का 16 किलोमीटर हिस्सा पहले स्वीकृत पैकेज में शामिल नहीं हो पाया था। अब इस हिस्से को मंजूरी मिलने से पूरी सड़क का काम पूरा हो सकेगा। इससे खासकर रामपुर विधानसभा क्षेत्र के किसानों और बागवानों को बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। उन्होंने कहा कि छैला-नेरीपुल-यशवंत नगर-कुमारहट्टी सड़क ठियोग, कोटखाई, जुब्बल, रोहड़ू और चौपाल के सेब उत्पादक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। सड़क के बेहतर होने से सेब और अन्य बागवानी उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना आसान होगा। परिवहन में कम समय लगेगा, लागत घटेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से किसानों और बागवानों की बाजार तक पहुंच बढ़ेगी और फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान में भी कमी आएगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी जरूरी औपचारिकताएं जल्द पूरी करेगी, जिससे निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सके और तय समय के भीतर पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी और जनता के हित को सबसे ऊपर रखेगी।

सुक्खू सरकार ने तबादला नीति के नियम किए सख्त, दुर्गम क्षेत्रों में पूरा करना होगा तीन साल का कार्यकाल

एजेंसी

शिमला : सरकारी कर्मचारियों के तबादलों से जुड़ी व्यवस्था में हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि कठिन, जनजातीय, हार्ड और अति दुर्गम क्षेत्रों में तैनात अधिकारी और कर्मचारी अब निर्धारित कार्यकाल पूरा किए बिना वहां से नहीं हट सकेंगे। कार्मिक विभाग ने व्यापक मार्गदर्शक सिद्धांत-2013 (सीजीपी-2013) के पैरा 16.1 में संशोधन करते हुए नई व्यवस्था लागू की है। सरकार का कहना है कि पुराने प्रावधानों को लागू करने में कई तरह की अस्पष्टताएं सामने आ रही थीं। कर्मचारियों के पांच पसंदीदा स्थानों के विकल्प वाले प्रावधान को लेकर भी भ्रम की स्थिति बन रही थी, जबकि तबादले प्रशासनिक आवश्यकता और व्यापक जनहित को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। इसी कारण सरकार ने नियमों को और स्पष्ट किया है। संशोधित नियमों के अनुसार कठिन, जनजातीय, हार्ड और अति दुर्गम क्षेत्रों में सामान्य कार्यकाल तीन वर्ष रहेगा। सरकार ने पहली बार स्पष्ट शब्दों में कहा है कि तीन वर्ष का मतलब उस क्षेत्र में दो सर्दियां और तीन गर्मियां वास्तव में पूरी करना होगा। यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी लंबी छुट्टी पर चला जाता है या किसी भी कारण से लंबे समय तक ड्यूटी से अनुपस्थित रहता है, तो उस अवधि को कार्यकाल में नहीं जोड़ा जाएगा। कर्मचारी को लौटने के बाद उतनी ही अतिरिक्त अवधि उसी क्षेत्र में सेवा देनी होगी। सरकार का कहना है कि कई कर्मचारी कठिन क्षेत्रों में तैनाती से बचने की कोशिश करते हैं या चिकित्सा अवकाश और अन्य कारणों से लंबे समय तक ड्यूटी से दूर रहते हैं। इससे स्वास्थ्य, शिक्षा और दूसरी आवश्यक सरकारी सेवाएं प्रभावित होती हैं। किन्नौर, लाहौल-स्पीति, चंबा के पांगी क्षेत्र और चंबा, कुल्लू, शिमला, मंडी तथा सिरमौर के दूरदराज इलाकों में लंबे समय से कर्मचारियों की कमी की समस्या सामने आती रही है, क्योंकि कई पद खाली रह जाते हैं या कर्मचारी अपने तैनाती स्थल से लंबे समय तक अनुपस्थित रहते हैं

सरकार ने अतिरिक्त कार्यभार संभालने वाले अधिकारियों के संबंध में भी स्थिति स्पष्ट कर दी है। यदि कोई अधिकारी किसी कठिन, जनजातीय, हार्ड या अति दुर्गम क्षेत्र में केवल अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहा है और उसकी वहां नियमित नियुक्ति या तैनाती नहीं है, तो उस अवधि को उस क्षेत्र में दी गई सेवा नहीं माना जाएगा। ऐसी अवधि को निर्धारित कार्यकाल में शामिल नहीं किया जाएगा। इसी आधार पर किसी अधिकारी या कर्मचारी को तबादला नीति के तहत मिलने वाली रियायत, वरीयता, प्रोत्साहन या किसी अन्य लाभ का अधिकार भी नहीं मिलेगा। संशोधित नीति में 55 वर्ष से अधिक आयु के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी राहत दी गई है। सरकार ने कहा है कि जहां तक संभव होगा, 55 वर्ष से अधिक आयु वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को कठिन, जनजातीय, हार्ड और अति दुर्गम क्षेत्रों में तैनात नहीं किया जाएगा। हालांकि पदोन्नति के मामलों में यह छूट लागू नहीं होगी और पदोन्नति के कारण होने वाली तैनाती पर यह प्रावधान प्रभावी नहीं रहेगा।

स्कूलों में शुरू होगा नशा-मुक्ति अभियान

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने विद्यार्थियों में बढ़ती ड्रग और दूसरी लत को रोकने के लिए एक अहम कदम उठाया है। ड्रग-मुक्ति के बारे में जागरूकता, मार्गदर्शन और काउंसलिंग की जिम्मेदारी राज्य के सभी स्कूलों की स्कूल मैनेजमेंट कमेटियों को सौंपी गई है। इस बारे में सरकारी आदेश मंगलवार को स्कूली शिक्षा विभाग ने जारी किया। केंद्र सरकार ने साल 2029 तक देश को ड्रग-मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए विभिन्न विभागों के साथ मिलकर जनता में जागरूकता फैलाई जा रही है। इसी के तहत राज्य के स्कूलों में ड्रग-मुक्ति अभियान को और असरदार तरीके से लागू करने का फैसला किया गया है। मुंबई में चल रहे रड्रग्स फ्री मुंबईर अभियान की तरह ही, राज्य भर के स्कूलों में छात्रों में जागरूकता पैदा की जाएगी। सरकारी फैसले के अनुसार स्कूल मैनेजमेंट कमेटियां विद्यार्थियों के लिए नशे की लत पर रेगुलर अवेयरनेस प्रोग्राम करेंगी। इसमें विशेषज्ञ, एनजीओ और संबंधित अधिकारियों द्वारा गाइडेंस सेशन होंगे। छात्रों के व्यवहार में बदलाव पर नजर रखकर उन्हें जरूरी काउंसलिंग दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर कमिटी अभिभावक के साथ मिलकर संबंधित छात्र को इलाज और मार्गदर्शन के लिए एक्सपर्ट्स के पास भेजने के लिए भी ज़िम्मेदार होगी

जलसंसाधन विभाग में बदलाव, प्रकाश मिसाल की सचिव पद पर नियुक्ति

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने जल संसाधन विभाग में प्रशासनिक बदलाव किया है। उत्तर महाराष्ट्र के नासिक के चीफ इंजीनियर प्रकाश बालकृष्ण मिसाल को वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट, मंत्रालय, मुंबई में सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। इस बारे में सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार को आदेश जारी किया। सरकारी आदेशानुसार प्रकाश मिसाल को जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव की सलाह पर अपने मौजूदा पद का चार्ज किसी दूसरे अधिकारी को सौंपना है और तुरंत नए पद का चार्ज संभालना है। जल संसाधन विभाग में सीनियर लेवल पर यह नियुक्ति अहम मानी जा रही है। इससे विभाग के प्रशासनिक काम को और तेजी मिलने की उम्मीद है। सचिव पद मंत्रालय में जल संसाधन विभाग की अलग-अलग नीतियों और प्रशासनिक फैसलों को लागू करने में अहम भूमिका निभाता है। यह पद वर्तमान में रिक्त था।

मध्य प्रदेश के 5 जिलों में आज अति भारी बारिश और 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में सक्रिय मानसूनी सिस्टम के चलते बुधवार को मौसम विभाग ने पांच जिलों में अति भारी बारिश और 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे के दौरान कई इलाकों में चार इंच या उससे अधिक बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम और रायसेन में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। वहीं देवास, सीहोर, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा, सागर, नरसिंहपुर, दमोह, जबलपुर और छतरपुर जिलों में भारी बारिश की संभावना है। विभाग के मुताबिक प्रदेश के ऊपर से मानसून ट्रफ गुजर रही है। इसके साथ ही एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सकुर्लेशन) और पश्चिमी हिस्से में सक्रिय एक अन्य चक्रवाती तंत्र के कारण मजबूत बारिश का सिस्टम बना हुआ है। यह सिस्टम ओडिशा, दक्षिण झारखंड और उत्तर छत्तीसगढ़ से आगे बढ़ते हुए मध्य प्रदेश के पूर्वी और मध्य क्षेत्रों में व्यापक बारिश कराएगा। इसके बाद इसके क्रमशः कमजोर होकर अवदाब और फिर निम्न दबाव क्षेत्र में बदलने की संभावना है। बुधवार को भोपाल, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, कटनी, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, पन्ना, टीकमगढ़ और निवाड़ी में भी हल्की से तेज बारिश होने की संभावना जताई गई है। इससे पहले मंगलवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। राजधानी भोपाल में दिनभर बादल और धूप का सिलसिला चलता रहा, जबकि रुक-रुक कर हल्की बारिश होती रही। मुरैना समेत कई जिलों में तेज बारिश रिकॉर्ड की गई और रात के समय भी मौसम का मिजाज बदला रहा।

सड़क हादसा, ट्रक में घुसी स्कूल वैन; एक छात्र की मौत, 10 बच्चे घायल

बांसवाड़ा : राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के दाहोद मार्ग पर स्थित संत पॉल्स विद्यालय के बच्चों से भरी एक वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि वैन में सवार 14 बच्चे घायल हो गए। इनमें से तीन बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से एक छात्र को बेहतर इलाज के लिए उदयपुर रेफर कर दिया गया है। दुर्घटना के वक्त वैन में कुल 15 बच्चे सवार होकर स्कूल जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर दौड़े और भारी मशक्कत के बाद गाड़ी में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सभी घायलों को महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया। एक साथ बड़ी संख्या में घायल बच्चों के अस्पताल पहुंचने से वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने कई बच्चों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया और कुछ को सीपीआर भी दिया गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में अभिभावकों की भारी भीड़ जमा हो गई और वहां का माहौल गमगीन हो गया। स्थिति का जायजा लेने के लिए जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत सिंह यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर पर्वत सिंह चुण्डावत, उपखंड अधिकारी सोनू कुमारी सहित मुख्य चिकित्सा अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी तुरंत अस्पताल पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी ली। जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत सिंह यादव ने कहा कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव भी बना। हालांकि यह बिकवाली थोड़ी देर में ही रुक गई और खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के जोर से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.94 प्रतिशत और निफ्टी 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टूब्रो, टीसीएस और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 3.45 प्रतिशत से लेकर 2.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इंटरग्लोब एविएशन, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोल इंडिया, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन और एक्सिस बैंक के शेयर 1.17 प्रतिशत से लेकर 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,693 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,003 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 690 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर सात शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान में और 12 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 675.85 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,423.77 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे यह सूचकांक फिसल कर 77,333.24 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स की चाल में दोबारा तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 723.43 अंक की बढ़त के साथ 77,489.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 191.30 अंक यानी 0.80 प्रतिशत उछल कर 24,176.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव भी बना, जिसकी वजह से निफ्टी की लुढ़क कर 24,136.75 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 210.15 अंक की मजबूती के साथ 24,195.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 69.86 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,765.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 10.60 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,985.35 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

लोकतंत्र को भीड़तंत्र बनने से बचाने के लिए सभी दल करें प्रयास : शांता कुमार

पालमपुर : पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने देश के सभी राजनीतिक दलों से लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदलने से रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि हाल के घटनाक्रमों को देखकर उन्हें चिंता हो रही है कि कहीं देश का लोकतंत्र भीड़तंत्र में न बदल जाए। बुधवार को जारी एक बयान में शांता कुमार ने कहा कि लंबे समय से पेपर लीक और भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे संघर्ष के बीच दो महत्वपूर्ण निर्णय हुए हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक रोकने के लिए लोकसभा ने एक ऐतिहासिक और सख्त कानून पारित किया है, जिसका उन्होंने स्वागत किया। उन्होंने इस कानून के समर्थन के लिए सभी विपक्षी दलों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे पेपर लीक जैसे गंभीर अपराध पर प्रभावी अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के दौरान दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय देश के छह वरिष्ठ राष्ट्रीय विद्वानों की समिति का गठन है। उनके अनुसार, समिति के सुझाव इस समस्या के स्थायी और प्रभावी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

पलामू प्रमंडलीय मंडल प्रवासी कार्यकर्ता बैठक संपन्न

मेदिनीनगर : भारतीय जनता पार्टी की पलामू प्रमंडलीय मंडल प्रवासी कार्यकर्ता बैठक का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तीकरण, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों तथा जनसंपर्क अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।
बैठक में प्रतिपक्ष के नेता श्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। मंडल स्तर से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को समर्पित भाव से कार्य करना होगा। उन्होंने कार्यकताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का आह्वान किया।
बैठक के दौरान संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए संगठन महामंत्री श्री कर्मवीर सिंह ने कहा की आगामी अभियानों को लेकर मंडल प्रवासी कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही बूथ समितियों के गठन, सक्रिय सदस्यता, लाभार्थी संपर्क और जनसंवाद अभियान को गति देने पर विशेष बल दिया गया। संगठन महामंत्री ने कहा कि मजबूत संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी पहचान है और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी से ही पार्टी प्रत्येक बूथ पर विजय का लक्ष्य प्राप्त करेगी।
बैठक में पलामू प्रमंडल के विभिन्न जिलों से आए जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मंडल प्रवासी, मोर्चा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। हाल के दिनों में झारखंड के विभिन्न प्रमंडलों में भी भाजपा की मंडल-प्रवासी बैठकों में बूथ सशक्तीकरण और संगठन विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है।
बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह प्रमंडलीय प्रभारी विकास प्रीतम डाल्टनगंज विधायक आलोक चौरसिया पांकी विधायक शशि भूषण मेहता पलामू जिला अध्यक्ष अमित तिवारी श्याम नारायण दुबे मनोज कुमार घूरन राम पुष्पा देवी हरे कृष्णा सिंह पंकज सिंह बंसी यादव प्रेम सिंह उदय कुशवाहा राजधानी यादव विनय चौबे उदय शुक्ला अजय तिवारी नरेंद्र पांडे विजयानंद पाठक कामेश्वर कुशवाहा रविंद्र सिंह अविनाश वर्मा शाहिद भारतीय रहे।

उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, के आईजी ने किया चतरा का दौरा

चतराः उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र कुमार ने बुधवार को चतरा का दौरा किया। चतरा एसपी कार्यालय पहुंचने पर पुलिस जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इसके बाद आईजी ने कॉन्फ्रेंस हॉल में रामगढ़ और चतरा जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर लंबित आपराधिक मामलों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।
बैठक में चतरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी), रामगढ़ एवं चतरा जिले के वरीय पुलिस पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) तथा विभिन्न थाना प्रभारियों ने भाग लिया। समीक्षा के दौरान दोनों जिलों में लंबे समय से लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, अनुसंधान की गुणवत्ता और समयबद्ध कार्रवाई को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।
आईजी शैलेंद्र कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों के अनुसंधान में तेजी लाते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल मामला दर्ज करना ही नहीं, बल्कि निष्पक्ष और प्रभावी जांच के माध्यम से उसे तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना भी है।
उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज हैं, उनके मामलों की निष्पक्ष जांच कर समय पर निष्पादन किया जाए, ताकि अनावश्यक रूप से लंबित मुकदमों के कारण किसी व्यक्ति का भविष्य प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों का बोझ कम करना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।
आईजी ने अपराध नियंत्रण, अनुसंधान की गुणवत्ता और कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को टीमवर्क के साथ कार्य करने, गंभीर मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा जनता का पुलिस पर विश्वास मजबूत करने के लिए संवेदनशील एवं जवाबदेह पुलिसिंग अपनाने पर जोर दिया।
बैठक के अंत में आईजी ने दोनों जिलों के अधिकारियों से लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए ठोस कार्ययोजना के तहत काम करने और नियमित समीक्षा के माध्यम से प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गुरु पूर्णिमा पर लोको स्थित राम मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना

चक्रधरपुर : गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आज लोको स्थित राम मंदिर परिसर में साईं मंदिर में मंदिर के पुजारी नित्यानंद पांडे के द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई।इस अवसर पर प्रातः काल से ही भक्तजनो और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पूजा अर्चना के पश्चात व्यापक रूप से प्रसाद वितरण किया गया गौरतलब हो कि राम मंदिर में प्रतिदिन भक्त जनों की उपस्थिति रहती है किंतु गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भक्तजनो एवं श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ी और सभी ने पूजा अर्चना की।

पाकुड़ में गुस्साए पति ने कुल्हाड़ी से पत्नी पर किया वार, हुई मौत

पाकुड़ः जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के सामपुर गांव में पति और पत्नी के बीच कुछ विवाद चल रहा था जिसके चलते गुस्साए पति ने अपनी पत्नी के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी हथिया हेम्ब्रम फरार हो गया।

जमशेदपुर में खुलेगा अत्याधुनिक चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

टाटा मोटर्स के साथ राज्य सरकार ने किया करार

संवाददाता

रांची : झारखंड में अत्याधुनिक चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। जमशेदपुर में टाटा मोटर्स के सहयोग से स्थापित हो रहे कळ्ळफ को लेकर झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में मंगलवार को राज्य सरकार के परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया।
परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच यह अत्यधिक चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान पीपीपी मॉडल पर संचालित होगा, जो जमशेदपुर के मनपीठा मौजा में 11.88 एकड़ भूमि पर स्थापित होगी। इस संस्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा जमीन उपलब्ध कराया जाएगा।
इस संस्थान के बिल्डिंग निर्माण पर कुल लागत 22.30 करोड़ की होगी, जिसमें परिवहन विभाग झारखंड सरकार द्वारा 3.21 करोड़, केंद्र सरकार द्वारा 17 करोड़ और टाटा मोटर्स के द्वारा 1.82 करोड़ का सहयोग दिया जा रहा है। संस्थान के निर्माण का कार्य झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉपोरेशन लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है।
इस संस्थान में 30 घंटे की कुल प्रशिक्षण अवधि होगी, जिसमें 15 घंटे प्रशिक्षणार्थियों की थ्योरी क्लास होगी और 15 घंटे का प्रैक्टिकल क्लास होगा। इस संस्थान में 50 पुरुषों के लिए एवं 25 महिलाओं के लिए छात्रावास तथा मेस की सुविधा होगी। वाहन चालकों के प्रशिक्षण के लिए एलएमवी एवं एचएमवी ड्राइविंग सिम्युलेटर, प्राथमिक उपचार एवं दुर्घटना उपरांत प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुख उद्योग आधारित चालक प्रशिक्षण दिया जाएगा।
झारखंड मंत्रालय में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह के अलावा टाटा मोटर्स और राज्य सरकार के परिवहन विभाग से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।
इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा हाल के दिनों में बने करीब 10 हजार ड्राइविंग लाइसेंस में से सांकेतिक रुप से कुछ युवाओं के बीच वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉफ्रेसिंग के जरिए सभी जिलों के डीटीओ और डीसी से कामकाज की जानकारी ली।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस प्रशिक्षण संस्थान को लेकर हुए एमओयू पर खुशी जताते हुए कहा कि वे खुद इसको लेकर पिछले छह-सात सालों से पहल कर रहे थे क्योंकि इस तरह का ड्राइविंग प्रशिक्षण झारखंड में नहीं था। टाटा मोटर्स के द्वारा पंजाब में खोला गया था जबकि झारखंड में भी इसकी आवश्यकता थी, ऐसे में राज्य सरकार के साथ साथ टाटा मोटर्स की पहल आखिरकार कामयाब हुई इसके लिए मैं बधाई देता हूं।
मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस लेने के लिए लोगों की परेशानी कैसे दूर हो और इसे कैसे सरल बनाया जाय, इस पर जरूर विचार करें। क्योंकि एलएमवी तो लोग जैसे तैसे बना लेते हैं लेकिन एचएमवी बनाने में बहुत परेशानी है, ऐसे में निजी कंपनियों के भरोसे लोग होते हैं और इसे बनाने में सरकारी कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला एवं पुरुष दोनों को समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए दृढ़तापूर्वक प्रतिबद्ध है। परिवहन क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महिलाओं के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण, लर्निंग लाइसेंस एवं ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ एवं पारदर्शी बनाया जाएगा, ताकि वे कौशल विकास से जुड़कर रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सके।
उन्होंने अधिकारियों को महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जरूरी सुविधाएं एवं संस्थागत सहयोग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड के मध्य स्थापित यह साझेदारी राज्य में सुरक्षित, आधुनिक एवं दक्ष परिवहन व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक दूरदर्शी एवं महत्वपूर्ण पहल है।
उन्होंने कहा कि कळ्ळफ की स्थापना से युवाओं को आधुनिक तकनीक एवं वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण मिलेगा, साथ ही सड़क सुरक्षा, दुर्घटना नियंत्रण तथा परिवहन क्षेत्र से जुड़े अनुसंधान एवं नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे राज्य में सुरक्षित एवं सुदृढ़ परिवहन तंत्र के विकास को नई गति प्राप्त होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग को पूरी प्रतिबद्धता एवं दक्षता के साथ कार्य करते हुए ड्राइविंग लाइसेंस एवं लर्निंग लाइसेंस से संबंधित सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने का निर्देश दिया।

लोकसभा में गूंजा पलामू का मुद्दा

सांसद वीडी राम ने रेलवे वैगन उत्पादन इकाई व मेगा अनुरक्षण कार्यशाला की उठाई मांग

संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने बुधवार को लोकसभा में नियम 377 के तहत पलामू जिले में रेलवे वैगन उत्पादन इकाई एवं मेगा वैगन अनुरक्षण (ढडल/फ्ढल) कार्यशाला की स्थापना की मांग जोरदार तरीके से उठाई। उन्होंने इस संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर तथा व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर पलामू में इस महत्वाकांक्षी परियोजना की स्थापना का आग्रह भी किया।
सांसद ने लोकसभा में कहा कि पलामू और गढ़वा जिले झारखंड के सबसे पिछड़े और औद्योगिक रूप से उपेक्षित क्षेत्रों में शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों की कमी के कारण यहां के युवाओं को बड़े पैमाने पर दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है। यदि रेलवे की वैगन उत्पादन इकाई या मेगा अनुरक्षण कार्यशाला स्थापित होती है तो इससे हजारों युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा और क्षेत्र के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।
उन्होंने बताया कि झारखंड देश में रेलवे के लिए सबसे महत्वपूर्ण माल ढुलाई राज्यों में से एक है, विशेषकर कोयला परिवहन में राज्य की अहम भूमिका है। इसके बावजूद राज्य में अब तक भारतीय रेल की कोई बड़ी वैगन उत्पादन इकाई स्थापित नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पलामू जिले के गढ़वा रोड और जपला रेलवे स्टेशन इस परियोजना के लिए सबसे उपयुक्त स्थान हैं, क्योंकि यहां रेलवे की पर्याप्त भूमि उपलब्ध है और ये स्टेशन सीसीएल एवं बीसीसीएल के कोयला क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख मालवाहक रेल मार्ग पर स्थित हैं। सांसद ने कहा कि इन रेल मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में खाली मालगाड़ियां गुजरती हैं, जिससे वैगनों के पीरियॉडिक ओवरहॉल और रूटीन ओवरहॉल के लिए यह स्थान परिचालन की दृष्टि से अत्यंत लाभकारी साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में भारतीय रेल को वैगनों के अनुरक्षण कार्यों के लिए पर्याप्त क्षमता के अभाव का सामना करना पड़ रहा है, जिससे अनुरक्षण कार्यों में देरी, वैगनों की उपलब्धता में कमी तथा परिचालन दक्षता और सुरक्षा प्रभावित होती है।
सांसद विष्णु दयाल राम ने रेल मंत्री से आग्रह किया कि गढ़वा रोड अथवा जपला रेलवे स्टेशन पर रेलवे वैगन उत्पादन इकाई या मेगा वैगन अनुरक्षण कार्यशाला की स्थापना के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाए। उनका कहना है कि इस परियोजना से भारतीय रेल की परिचालन क्षमता और सुरक्षा में वृद्धि होगी, माल परिवहन व्यवस्था अधिक सुदृढ़ बनेगी तथा पलामू-गढ़वा सहित पूरे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के पलायन पर भी प्रभावी अंकुश लग सकेगा।

कांग्रेस नेता अभिलाषा साहू के बयान पर बवाल

मुस्लिम संगठनों ने निष्कासन की उठाई मांग

गुलाम शाहिद

रांची : कांग्रेस नेता अभिलाषा साहू के कथित बयान को लेकर राज्य में राजनीतिक विवाद गहरा गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कथित चैट और ऑडियो में मुस्लिम समुदाय के संबंध में आपत्तिजनक एवं सांप्रदायिक टिप्पणियां किए जाने का आरोप है। मामले को लेकर राज्य के कई मुस्लिम नेताओं और सामाजिक संगठनों ने सहित जेएलकेएम नेता अय्यूब अली ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका कहना है कि कांग्रेस पार्टी धर्मनिरपेक्षता के नाम पर अल्पसंख्यक समुदाय का समर्थन प्राप्त करती है, लेकिन यदि पार्टी के जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं की सोच इस प्रकार की है तो यह समुदाय के विश्वास के साथ गंभीर राजनीतिक विश्वासघात है। स्थानीय कई मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा केवल कारण बताओ नोटिस जारी करना पर्याप्त नहीं है। उनका कहना है कि यदि पार्टी वास्तव में अपनी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध है तो संबंधित नेता के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें स्थायी रूप से पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिए। संगठनों ने कहा कि जब तक इस मामले में स्पष्ट और सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक समुदाय में व्याप्त नाराजगी कम नहीं होगी। वहीं, कांग्रेस की ओर से मामले में आगे की कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है।

गुरु केवल शिक्षक नहीं, जीवन को महान बनाने वाली शक्ति हैं : एमपी मिश्रा

संवाददाता

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर झारखंड के वरीय आईएएस अधिकारी एवं पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) के पूर्व उपायुक्त एमपी मिश्रा ने गुरु की महत्ता पर अपने प्रेरक विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं, बल्कि वह व्यक्ति है जो ज्ञान देकर हमारे व्यक्तित्व को बड़ा और श्रेष्ठ बनाता है।
एमपी मिश्रा ने कहा कि संस्कृत और हिंदी में गुरु शब्द का अर्थ बड़ा होता है, जो लघु का विलोम है। उन्होंने बताया कि ₹गौरव₹ शब्द की उत्पत्ति भी गुरु से हुई है। उनके अनुसार, जो व्यक्ति अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से हमारे जीवन में बड़प्पन लाता है, वही सच्चे अर्थों में गुरु है और वह सदैव सम्मान एवं वंदना के योग्य होता है।
उन्होंने संत कबीर और गोस्वामी तुलसीदास के उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। कबीर ने बलिहारी गुरु आपनो कहकर गुरु की महिमा का गुणगान किया, जबकि तुलसीदास ने रामचरितमानस की शुरूआत वन्दऊँ गुरु पद कंज... से कर गुरु को नमन किया।
गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उन्होंने अपने सभी गुरुओं को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। पूर्णता केवल ईश्वर में है। मनुष्य अपनी अपूर्णताओं को दूर करने के लिए जीवनभर दूसरों से सीखता रहता है और जिससे भी वह कुछ सीखता है, वह उसका गुरु बन जाता है।
एमपी मिश्रा ने भगवान दत्तात्रेय का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने 24 गुरुओं से शिक्षा ग्रहण की थी, जिनमें मनुष्य के साथ-साथ विभिन्न जीव-जंतु और प्रकृति के तत्व भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि चींटी से निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सतर्कता की सीख मिलती है, इसलिए उसे भी गुरु का दर्जा दिया गया।
उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल औपचारिकता का पर्व नहीं, बल्कि उन सभी व्यक्तियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिनके ज्ञान, अनुभव और मार्गदर्शन ने हमारे जीवन को बेहतर बनाने में योगदान दिया है।

जिला योजना अनाबद्ध निधि की समीक्षा बैठक संपन्न

15 अगस्त तक लंबित योजनाएं पूर्ण करने का निर्देश

संवाददाता

सिमडेगा : उप विकास आयुक्त श्री दीपांकर चौधरी की अध्यक्षता में जिला योजना अनाबद्ध निधि अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।
बैठक में योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।
बैठक के दौरान जिला योजना पदाधिकारी, सिमडेगा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला योजना अनाबद्ध निधि के तहत कुल 113 योजनाएं स्वीकृत की गई थीं। इनमें से 81 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 32 योजनाएं अभी भी लंबित हैं। लंबित योजनाओं की सूची उप विकास आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत की गई।
उप विकास आयुक्त ने संबंधित कार्यकारी एजेंसियों से लंबित योजनाओं की एक-एक कर समीक्षा की तथा कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी लंबित योजनाओं को हर हाल में 15 अगस्त 2026 तक पूर्ण कर लिया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ आम जनता तक समय पर पहुंच सके।
बैठक में वन प्रमंडल, सिमडेगा, जिला योजना पदाधिकारी, सिमडेगा, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, सिमडेगा, कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी, सिमडेगा, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा तथा कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, सिमडेगा सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोअर बाजार पुलिस का अभियान, कांटाटोली के कुरैशी मुहल्ला में अड्डेबाजों पर कार्रवाई

गुलाम शाहिद

रांची : शहर में विधि-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लोअर बाजार थाना प्रभारी लव सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को कांटाटोली स्थित वाइएमसीए गली, कुरैशी मुहल्ला में विशेष अभियान चलाया गया।
अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर अड्डेबाजी करने वाले लोगों की जांच की गई तथा अनावश्यक रूप से भीड़ लगाकर बैठे लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए वहां से हटाया गया। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने स्थानीय लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अड्डेबाजी करने वालों में हड़कंप देखा गया, जबकि स्थानीय लोगों ने अभियान का स्वागत करते हुए नियमित पुलिस गश्त और ऐसे अभियानों को जारी रखने की मांग की।